छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 284 ■ अम्बिकापुर, बुधवार 11 नवम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

कबरा हाथी के हमले से फिर 01 मौत, पखवाड़े भर में आधा दर्जन की गई जान

छ.ग.फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। सूरजपुर जिले में कबरा कान वाले हाथी का आतंक जारी है। दीपावली की रात दो लोगों को मौत के घाट उतारने वाले कबरा हाथी ने कंदरई में भी मंगलवार को एक वृद्ध को मौत की नींद सुला दिया। कबरा हाथी के रिहायशी इलाके में विचरण करने से लोगों में भय व्याप्त है।

बता दें कि दीपावली की रात कबरा हाथी ने करंजी चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनपुर सु के पंडोपारा का 38 वर्षीय मटूलाला पिता लालसाय खेत का पहरा करने गया था, इसी बीच कबरा हाथी ने उसे कुचलकर रौंद दिया था। इसके बाद कबरा हाथी सोमवार की रात करमपुर, पार्वतीपुर, केनापारा तेलईकछार से रेलवे लाइन पार करके कंदरई गांव की ओर पहुंच गया। ग्रामीणों ने बताया कि कबरा हाथी ने पेंड़रखी बीट के ग्राम पंचायत कंदरई टूरीपतरा निवासी करीब 66 वर्षीय बिशन राम पिता गुठाल राम को कंदरई बाजार के पास कुचलकर रौंद दिया। पहली घटना प्रतापपुर वन



परिक्षेत्र के सकलपुर-सोनगरा सर्किल में हुई थी। यहां श्यामनगर निवासी कृष्ण राजवाड़े पिता जगन्नाथ राजवाड़े, 42 वर्ष पर कबरा कान हाथी ने अचानक हमला कर दिया, जिसमें उसकी दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना के बाद क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। वन अमला पूरी रात व दिन भर हाथी के निगरानी में जुटा हुआ है। वर्तमान में धान की फसल पककर तैयार हो चुकी है। कृषकों द्वारा धान की कटाई कराकर मिसाई के लिए खलिहान पहुंचा रहे हैं। धान की रखवाली के लिए कई किसान खलिहान में ही रात में सो रहे हैं। ऐसे में हाथी का भय लोगों में बना हुआ है।

ग्रामीणों ने जताया विरोध, अधिकारियों ने मनाया

सूचना पर वन अमला और जयनगर पुलिस मौके पर पहुंच शव पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को जब पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाने लगी तो ग्रामीणों ने आक्रोश जताकर विरोध शुरू कर दिया। अधिकारियों की समझाइश के बाद स्वजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए। वन अमले ने मृतक विशुन राम के परिवार को अंतिम संस्कार के लिए 25 हजार रुपये की तत्कालिक सहायता राशि जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरसिंह नारायण सिंह की उपस्थिति में प्रदान की। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है। घटना से क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल है। घटना के बाद हाथी महंगई जंगल में डेरा जमाया हुआ है।

आठ माह में 16 ग्रामीणों को मौत के घाट उतारा

जिले में आतंक का पर्याय बन चुका कबरा कान वाला हाथी पखवाड़े भर में 6 ग्रामीणों को जबकि पिछले 8 माह में 16 ग्रामीणों को मौत के घाट उतार चुका है। कबरा हाथी के बढ़ते आतंक के बाद वन अमले द्वारा उक्त हाथी को ट्रेंकुलाइज कर कॉलर आईडी पहनाने के लिए शासन स्तर पर प्रयास शुरू किए जाने की जानकारी है। एसडीओ सूरजपुर वन विभाग संतोष पाण्डेय ने बताया कि वन महकमा लगातार हाथी पर नजर बनाए हुए है। हाथी के आक्रामक रुख को देखते हुए विभाग लगातार हाथी के लोकेशन पर नजर बना लोगों को सतर्क कर रही है। इधर 10 दिनों के भीतर अखोरा कला में दो लोगों की मौत, सोनगरा, सोनपुर सु की घटना के बाद सोमवार की रात कंदरई की घटना ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है।

17 हाथियों के दल से बिछड़ी



एसडीओ सपना मुखर्जी ने बताया कि यह हाथी 17 हाथियों के दल से बिछड़ गई थी। दल इन दिनों लक्ष्मणगढ़ से सरमा क्षेत्र में विचरण कर रहा है। वन अमला दिन-रात निगरानी में लगा है। निगरानी के लिए नाइट विजन ड्रोन का भी उपयोग किया जा रहा है, लेकिन घने पेड़ों के नीचे हाथी का पता नहीं चल पाता है। ग्रामीणों की सूचना पर ही इस हाथी के शव का पता चल सका।

लक्ष्मणगढ़ के जंगल में मादा हाथी की मौत, 5 दिन पुराना मिला शव



उदयपुर। जिले में जहां एक ओर कबरा कान हाथी के आतंक से लोग दहशत में हैं, वहीं दूसरी ओर सरगुजा के उदयपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मणगढ़ के जंगल में करंट से हाथी की मौत की खबर सामने आई है। जंगल में एक मादा हाथी मृत अवस्था में मिलने के बाद विभाग अलर्ट मोड पर है। मौके पर पहुंची वन विभाग की एसडीओ ने बताया कि सुबह ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि जंगल में एक हाथी मृत हाल में पड़ा है। सूचना पर रेंजर के साथ टीम मौके पर पहुंची।

अधिकारी के अनुसार मृत हाथी मादा है और उसकी उम्र करीब 7-8 साल है। शव से तेज बदबू आ रही है, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि मौत 5 से 7 दिन पहले हुई है। शव आधा किलोमीटर दूर तक बदबू दे रहा है। वेटरनरी डॉक्टर के द्वारा मृत हाथी का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। मौके पर ग्रामीणों ने शरीर पर करंट के निशान होने की बात कही है, लेकिन वन विभाग ने कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद ही मौत का वास्तविक कारण पता चल पाएगा। हालांकि वन विभाग की ओर से जंगल क्षेत्र से जीआई तार भी काफी मात्रा में बरामद किया गया है, जिससे करंट प्रवाहित तार बिछाने का अंदेशा लग रहा है।

सैनिक स्कूल में रिश्वत का खेल, जॉब कन्फर्मेशन के लिए 5 लाख मांगने का आरोप

बिना विज्ञापन-हाजिरी के भर्तियों से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर लगा प्रश्नचिन्ह

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। देश के भविष्य सैन्य अधिकारियों को गढ़ने वाले प्रतिष्ठित संस्थान सैनिक स्कूल अंबिकापुर की खड़े हो गए हैं। जिस संस्थान को पारदर्शिता, अनुशासन और राष्ट्रवाद का प्रतीक होना चाहिए, वह अब प्रशासनिक मनमानी, रिश्वतखोरी, फर्जी नियुक्तियों और पद के दुरुपयोग के गंभीर आरोपों के घेरे में है। तत्कालीन कार्यालय अधीक्षक जे.के. सिंह के बर्खास्तगी मामले और उसके बाद सामने आए आरटीआई दस्तावेजों, केंद्रीय सूचना आयोग के आदेशों और आंतरिक व्हाट्सएप चैट ने इस काले साम्राज्य की परत-दर-परत पोल खोल दी है।

इस पूरे प्रकरण की जड़ में भ्रष्टाचार का वह खेल है जो पर्दे के पीछे खेला गया। आधिकारिक रिकॉर्ड में जे.के. सिंह को 2014 की एक जांच रिपोर्ट के आधार पर मानसिक उत्पीड़न का दोषी बताया गया, वहीं केंद्रीय सूचना आयोग में सीपीआईओ ने इसे परिवीक्षा अवधि में असंतोषजनक प्रदर्शन का मामला बताकर लीपापोती की, लेकिन सामने आए आंतरिक व्हाट्सएप चैट ने इस पूरे झूठ की कलई खोल दी। चैट में स्पष्ट रूप से लिखा है कि जे.के. सिंह की नियुक्ति तत्कालीन प्रिंसिपल जी. रामबाबू के कार्यकाल में हुई थी। आरोप है कि, नौकरी की पुष्टि यानी जॉब कन्फमेशन के लिए उनसे 5 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की गई। जब उन्होंने अवैध मांग मानने से इन्कार कर दिया, तो उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया और उनके खिलाफ मानसिक प्रताड़ना और अनुशासनहीनता जैसे मनगढ़ंत आरोपों की पटकथा लिखी गई। चैट में यह स्वीकारोक्ति भी है कि इस मामले में कभी कोई निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई और न ही सच्चाई जानने की कोशिश की गई। साथ ही यह भी कहा गया कि अगर सीबीआई जांच होती है तो वह गवाही देने को तैयार है। यह साबित करता है कि अनुशासनात्मक कार्रवाई का इस्तेमाल कानून के राज के लिए नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जेब भरने और विरोधियों को कुचलने के हथियार के रूप में किया गया।





कागजों में नहीं हैं भर्तियां, फिर भी नियुक्तियां हो गई

पहला मामला रिश्वत का था तो दूसरा मामला संस्थागत फर्जीवाड़े का है। केंद्रीय सूचना आयोग के समक्ष सहायक मास्टर कंप्यूटर साइंस, नर्सिंग असिस्टेंट जैसे पदों की भर्तियों पर आरटीआई दाखिल की गई थी। इस पर स्कूल प्रशासन ने जो जवाब दिए वह किसी भी सरकारी संस्थान के लिए शर्मनाक है। कर्नल जितेंद्र डोगरा द्वारा हस्ताक्षरित पत्रों में प्रशासन ने लिखित में स्वीकार किया कि भर्ती परीक्षा के दिन की उपस्थिति शीट का कोई रिकॉर्ड ही मौजूद नहीं है। संविदात्मक पदों के लिए कोई विज्ञापन जारी ही नहीं किया गया। नियमित पदों के लिए भी कोई सार्वजनिक विज्ञापन नहीं निकाला गया।

चहेतों को पिछले दरवाजे से घुसा दिया

इसके बाद प्रशासन ने जो तर्क दिया वह और भी चौंकाने वाला था। कहा गया कि 'चूंकि स्कूल अपनी स्थापना के चरण में था, इसलिए रिक्ति निकलने पर एक बोर्ड गठित कर मौजूदा संविदा कर्मचारियों की उपयुक्तता की जांच कर सीधे नियुक्तियां कर दी गईं।' यह तर्क सीधे-सीधे पीएससी और रक्षा मंत्रालय के भर्ती नियमों का खुला उल्लंघन है। इसका मतलब है कि बिना किसी विज्ञापन, बिना किसी प्रतियोगी परीक्षा और बिना किसी मेरिट लिस्ट के चहेतों को पिछले दरवाजे से घुसा दिया गया। सूत्रों के अनुसार जब कार्यालय अधीक्षक जे.के. सिंह ने इन अवैध भर्तियों, पदोन्नतियों और वित्तीय अनियमितताओं पर सवाल उठाए और फाइलों पर हस्ताक्षर करने से मना किया, तभी उन्हें रास्ते से हटाने की साजिश रची गई।

सबूतों को गायब करने का षड्यंत्र

इस पूरे प्रकरण में सबसे खतरनाक बात सबूतों के साथ छेड़छाड़ है। 2014 में जिस ऑडियो सीडी को सबसे बड़ा सबूत बताकर जे.के. सिंह को दोषी ठहराया गया था, इसी ऑडियो सीडी को 2019 में केंद्रीय सूचना आयोग के सामने सुनवाई के दौरान स्कूल प्रशासन ने अस्तित्वहीन बताया। यानी जब जरूरत थी तो सीडी बना दी, जब आरटीआई में फंसने लगे तो गायब कर दी। यही हाल भर्ती दस्तावेजों का है। विज्ञापन और हाजिरी शीट जैसे बुनियादी दस्तावेज जो 10 साल तक सुरक्षित रखने अनिवार्य हैं, वे या तो बनाए ही नहीं गए या नष्ट कर दिए गए। यह विरोधाभास प्रशासनिक तंत्र की उस कार्यशैली को बेनकाब करता है जहां आवश्यकतानुसार दस्तावेजों का सृजन या विलोपन किया जाता है, जो भारतीय साक्ष्य अधिनियम और सरकारी रिकॉर्ड नियमों का भी उल्लंघन है।

एक व्यक्ति का नहीं, सिस्टम का भ्रष्टाचार

इन तमाम दस्तावेजों का समग्र विश्लेषण निष्कर्ष देता है कि यह किसी एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई नहीं, बल्कि एक व्यापक भ्रष्ट सिस्टम को बचाने की कोशिश थी। प्रिंसिपल जैसे पद का उपयोग संस्थान को चलाने के बजाय रिश्वत वसूली के लिए किया गया। जिसने भी सवाल उठाया उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर झूठे मामलों में फंसाया गया। आरटीआई जैसे संवैधानिक हथियार को भी रिकॉर्ड गायब कर पंगु बना दिया गया। स्पष्ट है कि जे.के. सिंह का निष्कासन किसी वास्तविक अनुशासनहीनता का परिणाम नहीं, बल्कि उस व्यापक भ्रष्टाचार और मनमानेपन के विरुद्ध उठी आवाज को दबाने की एक सोची-समझी, दुर्भावनापूर्ण और अवैध कार्रवाई थी, जिसकी उच्च स्तरीय सीबीआई जांच नितांत आवश्यक है।

शासकीय जमीन फर्जीवाड़े का आरोपी आजाद इराकी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय भूमि की हेराफेरी और धोखाधड़ी करने के मामले में थाना कमलेश्वरपुर और साइबर सेल की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी आजाद इराकी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, तहसीलदार उमेश्वर सिंह बाज ने थाना कमलेश्वरपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वर्ष 1954-55 के अधिकार अभिलेख में खसरा नंबर 1378 की प्रविष्टि के बाद कूटरचना की गई है। जांच में सामने आया कि खसरा नंबर 1378 बंदोबस्त वर्ष 1995-96 में भी शासकीय भूमि के रूप में 'छोटे झाड़ के जंगल' मद में ही दर्ज है, लेकिन 1954-55 के अभिलेख में इसे निजी भूमि के रूप में फर्जी प्रविष्टि तैयार की गई थी। इस मामले में तुलेश्वर गुप्ता, आजाद इराकी एवं अन्य की संलिप्तता पाए जाने पर थाना कमलेश्वरपुर में धारा 420, 467, 468, 471, 34 एवं 120(बी) भादवि के तहत अपराध दर्ज किया गया था। पुलिस ने पूर्व में आरोपी तुलेश्वर गुप्ता को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया था।

विवेचना के दौरान फरार आरोपी के तलाश में लगी पुलिस ने तकनीकी जानकारी और मुखबिर सूचना के आधार पर घेराबंदी करके आजाद इराकी पिता



रियाजुद्दीन इराकी 43 वर्ष, निवासी मस्जिदपारा वार्ड नंबर 05 जयनगर जिला सूरजपुर को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस के अनुसार मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी कमलेश्वरपुर निरीक्षक लक्ष्मी नारायण साव, एएसआई ललन गुप्ता, प्रधान आरक्षक विजय रवि, आरक्षक सूरज राठिया और साइबर सेल प्रभारी एएसआई अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा, आरक्षक मनीष सिंह, अशोक यादव, अमन पुरी, रमेश राजवाड़े, विकास मिश्रा, जितेश साहू, राहुल केरकेट्टा सक्रिय रहे।

बांध में नहाने गया युवक गहरे पानी में डूबा, 6 घंटे बाद एसडीआरएफ ने निकाला शव

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। थाना क्षेत्र के कुन्नी पुलिस चौकी अंतर्गत तिरकेला के कुर्मे बांध में नहाने के दौरान 22 वर्षीय युवक की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। एसडीआरएफ की टीम ने 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला। मृतक की पहचान रबिल खलखो पिता जुगसाय खलखो, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम तीरकेला के रूप में हुई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 9 नवंबर सोमवार को दोपहर मृतक अपने साथियों के साथ बैलों को दाना खिलाने से पहले कुर्मे बांध में मवेशियों को नहलाने के लिए ले गया था। मवेशियों को नहलाने के बाद वह खुद नहाने के लिए बांध के गहरे



पानी में उतर गया। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्वजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कुन्नी पुलिस चौकी में घटना की जानकारी दी। शाम हो जाने के कारण सर्च ऑपरेशन नहीं हो सका। 10 नवंबर मंगलवार की सुबह एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। 6 घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर 12.30 बजे युवक के शव को गहरे पानी से बाहर निकाला गया। कुन्नी पुलिस ने शव को पंचनामा, पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है और अग्रिम जांच कर रही है। घटना के बाद से स्वजनों में शोक का माहौल है।

सरगुजा पुलिस ने 24 घंटे में 88 फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में सरगुजा पुलिस ने फरार वारंटियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर 24 घंटे के विशेष अभियान में कुल 88 फरार वारंटियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिले के सभी थाना, चैकी प्रभारियों को न्यायालय द्वारा जारी स्थाई और गिरफ्तारी वारंट के आरोपियों को पकड़ने के निर्देश दिए गए थे। आदेश के परिपालन में पुलिस टीमों ने सुबह-सुबह वारंटियों के घरों पर औचक दबिश दी। अभियान के दौरान कुल 69 स्थाई वारंट और 19 गिरफ्तारी वारंट, कुल 88 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है।

थाना कोतवाली ने सबसे अधिक 30 स्थाई वारंटी, गांधीनगर ने 14



स्थाई और 01 गिरफ्तारी वारंटी, मणीपुर ने 07 स्थाई और 01 गिरफ्तारी, सीतापुर ने 04 स्थाई, बतौली ने 02 स्थाई और 01 गिरफ्तारी, दरिमा ने 02 स्थाई, लखनपुर ने 04 स्थाई, उदयपुर ने 02 स्थाई और 03 गिरफ्तारी, धौरपुर ने 02 स्थाई और 09 गिरफ्तारी, लुंड्रा ने 01 स्थाई और 02 गिरफ्तारी, कमलेश्वरपुर ने 01 स्थाई और 02 गिरफ्तारी वारंटियों को पकड़ा। उल्लेखनीय है कि थाना लखनपुर क्षेत्र में 14 वर्ष पुराने मारपीट के मामले में फरार चल रहे स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया गया, वहीं एनडीपीएस के मामले में कोट बासपारा सीतापुर निवासी राजेश उर्फ भैरा के स्थाई वारंट को भी तामिल किया गया। एसएसपी ने बताया कि फरार वारंटियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

वाहन चेकिंग के दौरान नशीली दवाओं का जखीरा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। थाना विश्रामपुर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान नशीली दवाओं का अवैध परिवहन करते एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से विभिन्न प्रकार की नशीली दवाइयां, इंजेक्शन और सिरिंज सहित कुल 46,297 रुपये की सामग्री एवं मोटरसाइकिल जब्त की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 9 नवंबर 2026 की शाम करीब 7 बजे एएसआई अशोक साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम सतपता मार्ग पर थाना के सामने वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सूरजपुर की ओर से आ रही बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल को संदेह के आधार पर रोककर चालक से पूछताछ की गई। चालक ने अपना नाम प्रेम शंकर यादव (44 वर्ष), निवासी शिवनंदनपुर बताया। मोटरसाइकिल में बंधे सफेद बोरे की तलाशी लेने पर पुलिस को 29 नग लोराजेपाम इंजेक्शन, अल्प्रेक्स 0.5 की 7 स्ट्रिप, वॉल्यूम-5 की 5 स्ट्रिप, स्ट्रेस नील टैबलेट की 7 स्ट्रिप, 6 नग नीडल और 5 नग सिरिंज बरामद हुईं। आरोपी से नशीली दवाओं के परिवहन एवं रखने संबंधी वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

पुलिस ने नशीली दवाइयों एवं मोटरसाइकिल सहित कुल 46,297 रुपये की संपत्ति जब्त कर आरोपी प्रेम शंकर यादव पिता भृगुनाथ यादव के विरुद्ध अपराध क्रमांक 285/2026, धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।



(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

पटाखे की चिंगारी से लगी आग, थाने में खड़ी जब्त बोलेरो जलकर खाक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन



बिश्रामपुर। दीपावली की रात पटाखे की चिंगारी से जयनगर थाना परिसर में खड़ी जब्त बोलेरो में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयावह रूप ले लिया और बोलेरो पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हालांकि पुलिसकर्मियों, निर्माण कार्य में लगे मजदूरों और ग्रामीणों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो परिसर में खड़े सैकड़ों जब्त दोपहिया और चारपहिया वाहन भी इसकी चपेट में आ सकते थे।

जानकारी के अनुसार दीपावली की रात करीब एक बजे ग्राम कुंजनगर स्थित एनएच-43 के किनारे जयनगर थाना परिसर में यह घटना हुई। दीपावली पर लोग पूजा-पाठ के बाद पटाखे फोड़ रहे थे। इसी दौरान पटाखे की एक चिंगारी थाना परिसर में विभिन्न मामलों में जब्त कर रखे गए वाहनों तक पहुंच गई। चिंगारी ने वहां खड़ी एक बोलेरो को अपनी चपेट में ले लिया और देखते ही देखते वाहन धू-धूकर जलने लगा।

थाना परिसर में नवीन भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। वहां मौजूद मजदूरों ने आग की लपटें देखकर तत्काल पुलिस अमले को सूचना दी। इसके बाद मजदूरों ने ट्यूबवेल चालू कर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर करीब आधे घंटे बाद दमकल वाहन भी मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक स्थानीय प्रयासों से आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया था।

आग की चपेट में आकर बोलेरो बुरी तरह जल गई, वहीं उसकी लपटें और चिंगारी पास खड़े एक ट्रक के चेचिस तक पहुंच गई थीं। हालांकि समय रहते उसे भी बुझा लिया गया। बताया जाता है कि जब्त वाहनों को रखने वाले परिसर में बड़ी-बड़ी झाड़ियां उगी हुई थीं, जिससे आग को फैलने में मदद मिली।

घटना के दौरान आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने में सहयोग किया। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, अन्यथा थाना परिसर में खड़े सैकड़ों जब्त वाहन इसकी चपेट में आकर बड़े नुकसान का कारण बन सकते थे। इस घटना ने थाना परिसर में जब्त वाहनों की सुरक्षा और वहां फैली झाड़ियों की सफाई की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं।

दीपावली के मौके पर श्री शक्ति फाउंडेशन ने फुटपाथ में रहने वाले लोगों की मदद की



अम्बिकापुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। गत दिनांक 08 नवंबर 2026 रविवार को जहां सभी लोग दीपावली की तैयारी कर रहे थे वहीं श्री शक्ति फाउंडेशन अंबिकापुर फुटपाथ में रहने वाले बच्चों और अपने आसपास रहने वाले गरीब बुजुर्ग लोगों की सेवा में लगा था।

संस्था के अध्यक्ष शिव कुमार यादव ने बताया कि दीपावली में बुजुर्ग और फुटपाथ में रहने वाले बच्चों के चेहरे पर दीपावली में मुस्कान लाने का छोटा सा प्रयास श्री शक्ति फाउंडेशन अंबिकापुर द्वारा किया गया जिसमें बुजुर्ग लोगों का मिलन समारोह कार्यक्रम रखा गया था जिसमें 30 बुजुर्ग लोगों को दीपावली के दिन कपड़ा, मिठाई और कुछ सहयोग राशि वितरित किया गया और वहीं फुटपाथ में अलग-अलग जगह में रहने वाले 200 बच्चों को कपड़े, मिठाईयां, बिस्किट, फ्रूट आदि का वितरण किया गया।

इस नेक काम को करने में संस्था के सभी सदस्यों ने सहयोग राशि जमा किया था। कार्यकम के दौरान अध्यक्ष शिव कुमार यादव के साथ सचिव संगीता यादव, आंचल यादव, मानसी राजवाड़े, अमित पाल आदि उपस्थित थे।

शराब पीने के दौरान विवाद, बोतल से सिर फोड़ा

लखनपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। थाना लखनपुर क्षेत्र के ग्राम अंधला में पुटुधोवा तालाब के पास शराब पी रहे युवक द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है।

प्रार्थी धनंजय अनंत (26 वर्ष), निवासी ग्राम अंधला ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 9 नवंबर को दोपहर 2 बजे वह अपने दोस्त उमेश अगरिया और रमेश अगरिया के साथ मोटरसाइकिल से घर जा रहा था। तालाब के किनारे मोंटी और उसके साथी शराब पी रहे थे। वहां रुकने पर मोंटी ने गाली-गलौज करते हुए शराब की बोतल से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे सिर फट गया और खून निकलने लगा। दोस्तों ने बीच-बचाव किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

रॉकेट पटाखा छत पर गिरा, दो पड़ोसियों में मारपीट

भटगांव। छ.ग. फ्रंटलाइन। थाना अंतर्गत ग्राम कसकेला में दिवाली पर रॉकेट पटाखा पड़ोसी के छत पर गिरने से दो पक्षों में मारपीट हो गई। दोनों पक्षों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अंश श्रीवास्तव ने बताया कि 9 नवंबर शाम 7 बजे उसकी बहन आरती पटाखा फोड़ रही थी, जो पड़ोसी पूनम के छत पर चला गया। पूनम गाली देने लगी। बाद में उसकी मां थलेश्वरी



जला राख लेकर आई और चेहरे पर फेंक दी। इसके बाद पूनम उसे खींचकर बाहर निकाली और विनय ने हाथ में पहने कड़ा से सिर पर मारा। बहन आरती के साथ भी मारपीट की।

वहीं पूनम राजवाड़े ने बताया कि बार-बार पटाखा छत पर गिरने से मना करने पर अंश ने गाली देकर पत्थर से सिर पर वार कर दिया। दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर पुलिस जांच कर रही है।

धौरपुर में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट

धौरपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। थाना क्षेत्र के ग्राम कर्रा में जमीन के पैसे को लेकर दो पक्षों में विवाद के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। दोनों पक्षों ने धौरपुर थाने में एक-दूसरे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रमेश मिश्रा ने पुलिस को बताया है कि 9 नवंबर को सुबह 11.30 बजे शिवानंद दास उनके घर आया और राजश्री गुटखा मांगा। फिर जमीन कितने में ली, पूछा। रमेश ने 1 लाख बताया तो शिवानंद ने 5 लाख मांगते हुए कहा पैसा दो। रमेश ने मामला कोर्ट में होने की बात कही तो शिवानंद ने हाथ चला दिया। इसके बाद फोन करके आनंद दास, लक्ष्मण दास, रविना दास, मनिता दास और परिवार के अन्य लोगों को बुलाया, जो लाठी लेकर गाली-गलौज करते हुए आए और उनके पुत्र अंकेश मिश्रा के साथ मारपीट की। बचाव में आए स्वजन से भी मारपीट की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 296, 115(2), 191(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

दूसरे पक्ष से शिवानंद दास ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 9 नवंबर को सुबह 10-11 बजे वह अंकेश मिश्रा की किराना दुकान में गुटखा लेने गया था और जमीन का पैसा मांगा तो अंकेश, बिटेश्वर और रमेश मिश्रा ने गाली देकर मारपीट शुरू कर दी। फोन पर परिवार के लोगों के आने पर मनिता और रविना को भी मारा। रविना के सिर और मनिता की नाक में चोट आई है। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ धारा 296, 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

कलेक्टर ने किया कोविड वार्ड का निरीक्षण, मरम्मत का दिया भरोसा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन



बिश्रामपुर। कोरोना महामारी के दौरान आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए खनिज न्यास मद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिश्रामपुर में निर्मित 100 बिस्तरों वाले आइसोलेशन वार्ड का मंगलवार को कलेक्टर रेना जमील ने निरीक्षण किया। इस दौरान बीएमओ डॉ. अमित भगत ने कलेक्टर को वार्ड की बदहाल स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आइसोलेशन कक्ष की फॉल सीलिंग पूरी तरह टूटकर नीचे गिर चुकी है। वहीं बारिश के दौरान जलभराव और सीपेज की समस्या भी बनी रहती है। मौके पर मौजूद शिवनंदनपुर नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि कोविड वार्ड निर्माण के बाद से ही बंद पड़ा है। उपयोग नहीं होने के कारण भवन जर्जर होता जा रहा है। उन्होंने इसका उपयोग एल्डर क्लिनिक के रूप में किए जाने का सुझाव दिया, ताकि बुजुर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। इस पर कलेक्टर ने इंजीनियर भेजकर वार्ड की स्थिति का आकलन कराने और आवश्यक मरम्मत कराने का आश्वासन दिया। साथ ही एल्डर क्लिनिक के रूप में इसके उपयोग के सुझाव पर भी आवश्यक पहल का भरोसा दिलाया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने साप्ताहिक बाजार को व्यवस्थित करने की मांग भी रखी। उन्होंने बताया कि पर्याप्त जगह और मूलभूत सुविधाओं के अभाव में व्यापारियों के साथ आम नागरिकों को भी परेशानी होती है। बाजार को व्यवस्थित करने से नगर की सुंदरता बढ़ने के साथ ही व्यापारियों और आमजनों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेगी।

हड़िया शराब नहीं देने पर फूफी पर टांगी-फावड़े से जानलेवा हमला

चांदो। छ.ग. फ्रंटलाइन। बलरामपुर जिला के थाना चांदो क्षेत्र के ग्राम सुनापारा गौतमपुर में हड़िया पीने के लिए नहीं देने पर एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर टांगी और फावड़े से जानलेवा हमला कर दिया।

प्रार्थी अमीन साय नागवंशी ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 9 नवंबर को दोपहर 1.30 बजे आरोपी तिलक नगेशिया ने उसकी फुआ किस्मतिया नगेशिया से हड़िया मांगा। किस्मतिया ने पूजा के बाद देने की बात कही तो तिलक ने जान से मारने की नीयत से टांगी से वार किया।

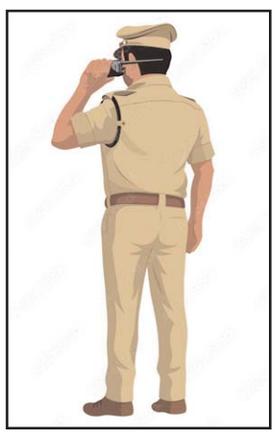
बचने पर वहीं रखे फावड़े से हमला कर दिया, जिससे बाएं जांघ में गंभीर चोट आई। पुलिस ने धारा 109(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

जुआरियों से पुलिस ने बनाई दूरी, पिछले साल की घटना का दिखा असर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जिले की पुलिस इस वर्ष दीपावली पर्व पर जुआरियों के खिलाफ हर साल चलाए जाने वाला अभियान इस वर्ष पूरी तरह से रोक दिया था। इसके पीछे बड़ा कारण पिछले वर्ष जयनगर थाना क्षेत्र में घटी घटना को प्रमुख कारण माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि गत वर्ष दीपावली के पूर्व संध्या पर जयनगर पुलिस ने थाना के ठीक पीछे कुंजनगर बस्ती में चल रहे जुआ के फड़ में मध्यरात्रि में मुखबिर की सूचना पर दबिश दी थी। पुलिस की दबिश के दौरान जुआड़ी पुलिस से बचने अंधेरे में इधर उधर भागने लगे इस दौरान उनमें से कई लोगों ने शराब का सेवन भी किया हुआ था।

पुलिस को देख भागने के दौरान कुंजनगर निवासी बाबूलाल रजवाड़े पिता चंदर राजवाड़े 21 वर्ष अंधेरे के कारण कुएं में गिर गया और उसकी मौत हो गई थी।घटना के कुछ देर बाद जब ग्रामीणों को बाबूलाल के कुएं में गिरने की जानकारी लगी तो



लोग उग्र होकर सैकड़ों लोगों ने लाठी डंडा पत्थर लेकर जयनगर थाने का घेराव कर दिया। साथ ही जमकर तोड़ फोड़ मचाया, इस दौरान थाने में खड़ी गाड़ियां सीसी टीवी कैमरे सहित अन्य समान क्षतिग्रस्त हो गए थे। पूरी रात और फिर दूसरे दिन दोपहर तक चले बवाल के बाद मामला किसी तरह शांत हुआ। इस दौरान लोगों का आरोप था कि युवक के कुएं में गिरने के बाद पुलिस युवक को किराये निकालने का प्रयास न कर वहां से भाग निकली थी, जिस पर ग्रामीण नाराज होकर प्रदर्शन कर सड़क पर शव रख विरोध प्रदर्शन किया था। इस घटना के बाद से पुलिस जुआ के प्रकरणों से पूरी तरह दूरी बना ली। इस वर्ष दीपावली में पुलिस के उच्चाधिकारियों द्वारा भी थाना चौकियों को जुआ प्रकरण पकड़ने का टारगेट नहीं देने से पुलिस भी शांत रही, जिससे जुआरियों की मौज रही। बिश्रामपुर, जयनगर, लटोरी व करंजी पुलिस ने जुआ का महज एक प्रकरण ही दर्ज किया।

धान खरीदी के लिए टोकन कटना शुरू, एक माह पहले प्रस्ताव फिर भी करौंदामुड़ा की बड़सरा में मैपिंग नहीं

शिवप्रसाद नगर केंद्र में दो हजार से अधिक किसानों का दबाव, दूरी से बढ़ रहा परिवहन खर्च, प्रस्ताव भेजने के बाद भी पोर्टल में बदलाव नहीं, टोकन कटने से किसान असमंजस में

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन



भैयाथान। धान खरीदी शुरू होने की तैयारी पूरी है, 10 नवंबर से किसानों के ऑनलाइन टोकन भी कटने लगे हैं, लेकिन करौंदामुड़ा के किसानों को अब तक नजदीकी नवीन बड़सरा उपार्जन केंद्र में धान बेचने की सुविधा नहीं मिल सकी है। गांव की मैपिंग शिवप्रसाद नगर केंद्र से हटाकर बड़सरा में करने के लिए जिला प्रशासन ने 16 अक्टूबर को शासन को प्रस्ताव भेजा था। करीब एक माह बीतने के बाद भी पोर्टल पर मैपिंग अपडेट नहीं हुई है। ऐसे में खरीदी शुरू होने से पहले ही किसान असमंजस में हैं कि उन्हें इस बार भी पुराने केंद्र शिवप्रसाद नगर जाना पड़ेगा या बड़सरा में धान बेचने का मौका मिलेगा।

किसानों का कहना है कि शिवप्रसाद नगर उपार्जन केंद्र में पहले से ही दो हजार से अधिक किसानों का दबाव है। वहीं करौंदामुड़ा से केंद्र की अधिक दूरी के कारण धान परिवहन में अतिरिक्त खर्च और समय लगता है। गांव के समीप ही नवीन धान उपार्जन केंद्र बड़सरा स्वीकृत होने के बाद किसानों को उम्मीद थी कि इस सीजन से उन्हें नजदीकी केंद्र की सुविधा मिलेगी, लेकिन मैपिंग में देरी ने उनकी परेशानी बढ़ा दी है।

ग्राम करौंदामुड़ा के किसानों ने गांव (खल्ष्ठ कोड 6403101) को शिवप्रसाद नगर केंद्र से हटाकर बड़सरा उपार्जन केंद्र (कोड 37000802) में शामिल करने की मांग की थी। इस संबंध में 12 अक्टूबर को कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन दिया गया। इसके बाद 16 अक्टूबर को कलेक्टर खाद्य शाखा की ओर से संयुक्त सचिव, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को मैपिंग परिवर्तन का प्रस्ताव भेजा गया। ग्रामीणों ने 18 अक्टूबर को सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई थी इसके बावजूद आज तक करौंदामुड़ा का मैपिंग बड़सरा में नहीं हो सका है।

टोकन कटने लगे, अब तक नहीं बदली मैपिंग

10 नवंबर से पोर्टल पर धान विक्रय के लिए ऑनलाइन टोकन जारी होने लगे हैं, लेकिन करौंदामुड़ा की मैपिंग अब भी पुराने केंद्र शिवप्रसाद नगर में ही दिखाई दे रही है। ऐसे में किसानों के सामने खरीदी सीजन को लेकर असमंजस की स्थिति है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव पर शासन स्तर से शीघ्र कार्रवाई कराने और पोर्टल में मैपिंग अपडेट कराने की मांग की है, ताकि उन्हें अतिरिक्त परिवहन खर्च और अनावश्यक परेशानी से राहत मिल सके।

खाद्य विभाग के जिलाधिकारी संदीप भगत से पूछा गया जब 16 अक्टूबर को प्रस्ताव भेज दिया गया था, तो 10 नवंबर तक पोर्टल पर मैपिंग क्यों नहीं बदली? इस पर उन्होंने कहा शिव प्रसाद नगर समिति को बताना चाहिए कि मैपिंग नहीं बदली है आज फिर समिति से बात किया हूं कल तक इंतजार कीजिए हो जाएगा।

शराब के नशे में वृद्ध बड़े पिता को पीटा हो गई मौत,आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। थाना क्षेत्र के आरटीआई कॉलोनी निवासी युवक अमित देवांगन पिता श्यामलाल 31 वर्ष को पुलिस ने शराब के नशे में अपने बड़े पिता को पीट मौत के घाट उतार देने मामले में गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायालय पेश कर दिया है।

बताया गया कि घटना दिनांक छह नवंबर को आरोपी अमित देवांगन सबेरे शराब के नशे में घर पहुंचा और अपने बड़े पिता प्रेमलाल देवांगन पिता गोपाल देवांगन 70 वर्ष से विवाद करते हुए उसकी लाठी डंडा हाथ मुक्का से बेदम पीटा जिसके बाद उसकी तबीयत खराब हो गई।इलाज के दौरान उसकी जिला अस्पताल सूरजपुर में उसी दिन मौत हो गई।



पुलिस ने बताया कि आरोपी को शंका था कि उसके बड़े पिता मृतक प्रेमलाल आरोपी की हरकतों की शिकायत उसके पिता श्यामलाल से करता था जिससे पिता पुत्र में ठनी रहती थी ।इसी बात से नाराज होकर घटना दिवस अमित शराब के नशे में घर पहुंचा और मृतक से यह कहते हुए कि तुम मेरे पिता से मेरी चुगली करते हो उसकी पिटाई शुरू कर दी।लगातार पिटाई से वह बेदम हो गया ।

परिजन उसकी तबीयत बिगड़ने के बाद मृतक प्रेमपाल को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया जहां उसकी कुछ देर बाद मौत हो गई।रिपोर्ट पर पुलिस ने हरियांका केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की और आरपी को गिरफ्तार कर आज न्यायालय पेश कर दिया है।

खबर संक्षेप

टीएमसी विधायक परेशराम गिरफ्तार

कोलकाता। टीएमसी विधायक परेशराम दास को पुलिस ने रेप के आरोप में कोलकाता एयरपोर्ट से



गिरफ्तार किया है। परेशराम के खिलाफ एक महिला ने इसी साल सितंबर में शिकायत दर्ज करवाई है कि दास ने 4 लाख रुपए के बदले उसके पति को 2023 के पंचायत चुनाव का टिकट दिलाने का वादा किया था। महिला का दावा है कि वह पैसे देने के लिए विधायक द्वारा बनाए गए एक वृद्धाश्रम में गई थी।

चीन में इमारत में आग, 14 की मौत

बीजिंग। चीन के उत्तरी शांक्सी प्रांत की राजधानी ताइयुआन में एक बहुमंजिला इमारत में आग लग जाने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। चार बजकर 59 मिनट पर इमारत में आग लगी। सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल टाइम्स' की खबर के अनुसार, आग को दोबारा भड़कने से रोकने के लिए दमकलकर्मियों ने शहर के यिंग्जे जिले में इमारत की ऊपरी मंजिलों पर पानी डालने के लिए ऊंचाई पर आग बुझाने वाले उपकरणों का इस्तेमाल किया।

दो कुकी युवाओं की हत्या का केस एनआईए को सौंपा

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने सोमवार को बताया कि सेनापति जिले में दो कुकी युवाओं की हत्या का मामला एनआईए को सौंप दिया गया है। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा उन दो युवाओं के परिवारों से मुलाकात के दौरान की। ये युवा पड़ोसी कांगपोकपी जिले से लापता हो गए थे और बाद में सेनापति जिले में मृत पाए गए। ताफौ कुकी गांव के रहने वाले पाओगिनलाल हंगशिंग और टिंगिनलुएन चोंगलोई 28 अक्टूबर को लापता हो गए थे। 1 नवंबर को सुरक्षा बलों के एक संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान उनके शव बरामद किए गए।

गोवा में 3 साल की बच्ची से यौन उत्पीड़न

पणजी। गोवा के उत्तरी जिले के मापुसा में एक जर्जर इमारत में तीन साल की बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। बच्ची रविवार शाम टैक्सी स्टैंड के पास इमारत के बाहर रोती हुई मिली। एक राहगीर ने उसे देखा और स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस को सूचना दी। बच्ची का परिवार गुब्बारे बेचता है और वह दिवाली के लिए उनके साथ बाजार आई थी। पुलिस ने बच्ची को पहले मापुसा जिला अस्पताल और फिर गोवा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। अधिकारियों के मुताबिक, उसकी हालत अब स्थिर है।

युद्ध लड़ने जा रहे नौ विदेशी नागरिक पकड़े

जोहानिसबर्ग (एपी)। रूस की ओर से यूक्रेन में युद्ध लड़ने जाने के संदेह में दक्षिण अफ्रीका में नौ विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। कर्नल कटलेगो मोगाले के अनुसार, 20 से 26 वर्ष की आयु के इन संदिग्धों को रविवार देर रात जोहानिसबर्ग के ओ.आर. टैम्बो हवाई अड्डे और पास के ब्रूमा इलाके के एक होटल से गिरफ्तार किया गया।

सागरः ट्रक व 'एसयूवी' में टक्कर, चार की मौत

सागर (मध्यप्रदेश)। मध्यप्रदेश के सागर जिले में सोमवार को एक तेज रफ्तार ट्रक और एक 'स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल' (एसयूवी) की आमने-सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई एवं पांच अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर देवरी थानाक्षेत्र में गोपालपुरा के पास सोमवार सुबह हुई, जब भैंसा गांव के लोग 'अर्टिगा' वाहन से अमावस्या के मौके पर नर्मदा स्नान के लिए बरमान जा रहे थे।

तपती धरती का नया अलार्मः इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में से एक होगा 2026

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन की नई रिपोर्ट में बड़ा दावा
- 'अल नीनो' का प्रभाव अगस्त से लगातार जोर पकड़ता जा रहा

एजेंसी/नई दिल्ली,

साल 2026 ज्ञात मौसम इतिहास के चार सबसे गर्म वर्षों में से एक होगा, क्योंकि इस साल जनवरी से सितंबर के बीच की अवधि में वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक काल (1850 से 1900 के बीच की अवधि के औसम तापमान) के मुकाबले 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की नई रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 में वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि का यह आंकड़ा 2025 और 2023 में पूरे साल में दर्ज की गई औसत बढ़ोतरी से अधिक है, जबकि 2024 (जिसे ज्ञात मौसम इतिहास के सबसे गर्म वर्ष के तौर पर दर्ज किया गया है) के मुकाबले यह थोड़ा ही कम है। इसमें कहा गया है कि 2026 के अंत तक तापमान वृद्धि के आंकड़े के और बढ़ने की आशंका है, जिसकी वजह 'अल नीनो' का प्रभाव है, जो अगस्त से लगातार जोर पकड़ रहा है और जिसके दिसंबर तक अब तक के सबसे शक्तिशाली स्तर पर पहुंचने की आशंका है।

चरम मौसमी घटनाओं के एक नए दौर में प्रवेश कर चुके



संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने में कहा कि हम चरम मौसमी घटनाओं के एक नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं। मानव जनित जलवायु परिवर्तन के कारण पहले ही बहुत गर्म हो चुकी पृथ्वी को एक बहुत शक्तिशाली 'अल नीनो' का सामना करना पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के पिछले रिकॉर्ड लगातार टूट रहे हैं। मनुष्यों को होने वाला नुकसान बढ़ता जा रहा है।" उन्होंने कहा,"और जो लोग इसके लिए सबसे कम जिम्मेदार हैं, वे ही सबसे पहले और सबसे बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। नेताओं को गंभीरता दिखानी होगी-उन्हें ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती करनी होगी, जीवाश्म ईंधन अपनाने की प्रक्रिया को तेज करना होगा और कमजोर तथा संवेदनशील देशों को वह आर्थिक मदद एवं सुरक्षा देनी होगी, जिसकी उन्हें जरूरत है।

पृथ्वी का ऊर्जा असंतुलन बिगड़ा

डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक तापमान में वृद्धि का मुख्य कारण यह है कि पृथ्वी का ऊर्जा असंतुलन बढ़ रहा है और उसमें तेजी से गर्मी जमा हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह असंतुलन मौसम का दस्तावेजीकरण शुरू होने के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, क्योंकि ग्रीनहाउस गैस बहुत बड़ी मात्रा में गर्मी को रोक रही हैं, जिससे सूर्य से आने वाली ऊर्जा संतुलन बिगड़ गया है।

जीवन व आजीविका पर असर

रिपोर्ट में कहा गया है कि चरम मौसम घटनाओं ने लोगों के जीवन और आजीविका पर असर डाला है, खाद्य सुरक्षा को कमजोर किया है, गरीबी बढ़ाई है तथा कई क्षेत्रों में लोगों को अपना घर-बार छोड़ने के लिए मजबूर किया है। इसमें शुरुआती अनुमानों का हवाला देते हुए कहा गया है कि यूरोप में लू, सूखे और जंगलों में आग लगने की घटनाओं के कारण 30,000 से अधिक अतिरिक्त मौतें दर्ज की गई हैं।

'स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट' जारी

डब्ल्यूएमओ ने तुर्किये के अंताल्या में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (सीओपी31) के पहले दिन शुक्रवार को 'स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट' जारी की। डब्ल्यूएमओ महासचिव सेलेस्टे साउलो ने कहा कि पिछले चार साल 177 वर्षों के ज्ञात मौसम इतिहास के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं और महासागरों का तापमान भी लगातार दसवें साल रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।" उन्होंने कहा कि मौजूदा 'अल नीनो' के अब तक के सबसे शक्तिशाली 'अल नीनो' में से एक होने का अनुमान है और समुद्र से निकलने वाली गर्मी 2027 तक तापमान वृद्धि तथा चरम मौसम परिस्थितियों को बढ़ावा देती रहेगी।"

वैश्विक रुझान के विपरीत दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्र में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ा

पणजी। दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्र (आईएसएसओ) में पिछले तीन दशकों में घुली हुई ऑक्सीजन के स्तर में काफी वृद्धि हुई है जबकि दुनिया के अन्य महासागरों में ऑक्सीजन का स्तर घटने का रुझान देखा जा रहा है। गोवा स्थित एक संस्थान के वैज्ञानिकों के अध्ययन में यह बात सामने आई है। वैज्ञानिकों ने

गोवा के राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र के शोधकर्ताओं ने किया दावा

ऑक्सीजन के स्तर में इस वृद्धि का मुख्य कारण महासागर में जल के बेहतर परिसंचरण को बताया है। इस प्रक्रिया में सतह का पानी महासागर की गहराई तक पहुंचता है और वहां ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है। गोवा के राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार 1993 से 2025 के बीच आईएसएसओ में ऑक्सीजन के स्तर में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि विशेष रूप से ध्रुवीय और अंटार्कटिक क्षेत्रों में देखी गई। ये निष्कर्ष विश्व भर के महासागरों में ऑक्सीजन के स्तर में गिरावट के व्यापक रुझान के विपरीत हैं। वैज्ञानिकों ने इसके लिए वैश्विक तापवृद्धि, महासागरों में जल की परतों के बीच बढ़ते स्थिरीकरण और जल परिसंचरण के कमजोर होने को जिम्मेदार ठहराया है। एनसीपीओआर के निदेशक डॉ. थंबन मेलोथ ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''दक्षिणी महासागर वैश्विक महासागर के प्रमुख 'फेफड़े' के रूप में काम करता है और वैश्विक ताप, कार्बन, पोषक तत्वों तथा ऑक्सीजन के नियमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए, इसके जल परिसंचरण और 'वेंटिलेशन' में बदलाव का असर वैश्विक महासागर में ऑक्सीजन की कुल मात्रा पर पड़ सकता है।''

शाह ने गुजरात में 1,024 करोड़ की परियोजनाएं शुरू की, बोले

देश को 2029 तक नशामुक्त बनाने का लक्ष्य, जनता का सहयोग जरूरी

हेल्पलाइन नंबरों के जरिए नशीले पदार्थों के सेवन और बिक्री की सूचना देने की अपील

एजेंसी/नई दिल्ली,

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि जनता के सक्रिय सहयोग के बिना केवल सरकारों के प्रयासों से मादक पदार्थों की समस्या खत्म नहीं की जा सकती और उन्होंने लोगों से विशेष हेल्पलाइन नंबरों के जरिए अधिकारियों को नशीले पदार्थों के सेवन और बिक्री की सूचना देने की अपील की। शाह ने यहां 1,024 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को नशामुक्त बनाने के लिए 31 दिसंबर 2029 की समयसीमा तय की गई है, लेकिन गुजरात को 31 दिसंबर 2028 तक ही यह लक्ष्य हासिल कर लेने की जरूरत है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन हमारे युवाओं और भावी पीढ़ियों को खोखला कर देता है। यह युवाओं के मस्तिष्क, शरीर, सोचने-समझने की क्षमता और इंद्रियों को नुकसान पहुंचाकर देश के भविष्य को कमजोर करता है। इसके अलावा, मादक पदार्थों के कारोबार से होने वाली कमाई का इस्तेमाल देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है।'' उन्होंने लोगों से मादक पदार्थों की बिक्री के मामलों की सूचना अधिकारियों को देने की अपील की।

प्रत्येक शिक्षक को सतर्क रहना चाहिए



शाह ने कहा कि प्रत्येक शिक्षक को सतर्क रहना चाहिए और किसी छात्र के व्यवहार में बदलाव दिखने पर इसकी सूचना देनी चाहिए। ऐसे बदलावों में आंखें लाल होना, कक्षा में सोना या पढ़ाई में ध्यान न लगा पाना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसे छात्रों की जांच कराई जाए और अभिभावकों को भी किशोर उम्र के बच्चों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''यह नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने आसपास मादक पदार्थों के सेवन या बिक्री के किसी भी मामले की सूचना टोल-फ्री नंबर पर फोन करके दें।

अहमदाबाद से शुरुआत

शाह ने कहा, ''हमने काली चौदस के शुभ दिन इस अभियान की शुरुआत की है। नशामुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करने से पहले हमें अहमदाबाद और गुजरात को नशामुक्त बनाने से शुरुआत करनी होगी।'' कार्यक्रम के दौरान शाह ने अपने संसदीय क्षेत्र गांधीनगर में अहमदाबाद नगर निगम की विभिन्न नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे से जुड़ी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तहत आवास आवंटन के लिए कम्प्यूटरीकृत ड्रॉ भी निकाला गया और पौधारोपण अभियान चलाया गया। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और अहमदाबाद के महापौर हितेश बारोट सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे। नशामुक्ति अभियान से जुड़ी ये घोषणाएं शनिवार को अहमदाबाद में शाह की अध्यक्षता में हुई कानून-व्यवस्था संबंधी उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद की गई हैं। इस बैठक में उन्होंने प्रवर्तन एजेंसियों को मादक पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की योजनाएं तैयार करने और नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था का विस्तार करने के निर्देश दिए थे।

ओडिशा में वारदात

जादू-टोने के संदेह में बुजुर्ग की हत्या, दो भाई गिरफ्तार

हमले में इस्तेमाल लाठी, मोबाइल फोन पुलिस ने जब्त किए

एजेंसी/नई दिल्ली,

ओडिशा के गंजाम जिले में पुलिस ने जादू-टोने के संदेह में 80 वर्षीय एक बुजुर्ग की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह वारदात चार नवंबर की रात बडांगी गांव में हुई। आरोपियों की पहचान अभिमन्यु गौड़ा (37) और उसके भाई सुशांत गौड़ा उर्फ कालिया (35) के रूप में हुई है जिन्हें रविवार को गिरफ्तार किया गया। वहीं, मृतक की पहचान इसी गांव के निवासी त्रिनाथ गौड़ा (80) के रूप में की गई है। भंजनगर के उप-मंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) दीपक कुमार मिश्रा ने बताया कि जांच से पता चला है कि त्रिनाथ गौड़ा गांव में पारंपरिक अनुष्ठान करते थे। इसके कारण गांव और आसपास के कुछ लोगों को उन पर जादू-टोना करने का संदेह होने लगा था। दोनों आरोपियों को भी शक था कि बुजुर्ग उनके परिवार के खिलाफ तंत्र-मंत्र का इस्तेमाल कर रहे हैं।

पहले बुजुर्ग की लाठी से पिटाई की

पुलिस के अनुसार, वारदात वाली रात दोनों भाई बुजुर्ग के घर में कथित तौर पर घुसे और उन्हें खींचकर बरामदे में ले आए। उन्होंने पहले बुजुर्ग की लाठी से पिटाई की और फिर सीमेंट सिल्ली से उनके सिर तथा चेहरे पर जोरदार वार किया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हत्या के बाद आरोपी गांव से भाग गए थे, लेकिन तलाशी अभियान के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से खून से सनी सीमेंट की सिल्ली, हमले में इस्तेमाल लाठी, मोबाइल फोन और आरोपियों द्वारा पहने गए कपड़े जब्त कर लिए हैं।

मुंबई के मंदिर में तोड़फोड़, धार्मिक बैनर फाड़े, दो लोग गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के एक मंदिर में लोगों का एक समूह कथित तौर पर सुरक्षा गार्ड को धमकाकर जबरन घुस गया। उन्होंने वहां आरती की, परिसर में लगे एक बोर्ड को विरूपित किया और एक धार्मिक बैनर फाड़ दिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। घटना शनिवार शाम को आरे इलाके के राम मंदिर में हुई। आरे पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अमित पाठक नामक व्यक्ति समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में 15 लोगों के खिलाफ वैमनस्य फैलाने की कोशिश समेत विभिन्न आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला आरे इलाके के मारोल चेक नाका स्थित 'लेउवा पाटीदार समाज राम मंदिर ट्रस्ट' के न्यासी जयेश अंबावी पटेल (46) की शिकायत पर दर्ज किया गया है।

30 से 40 लोगों का समूह मंदिर परिसर में इकट्ठा हुआ था

पुलिस के अनुसार, पाठक ने कथित तौर पर 'हिंदू रक्षक सेना' और 'सकल हिंदू समाज' की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किए थे। इनमें लोगों से शनिवार को मंदिर परिसर में हनुमान चालीसा का पाठ और महाआरती करने के लिए जुटने की अपील की गई थी, ताकि स्थानीय स्तर पर एक विवादित मुद्दे का समाधान किया जा सके।

2013 के विरोध प्रदर्शन मामले में बयान दर्ज कराने के लिए ममता बनर्जी को नोटिस जारी

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली पुलिस ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक नोटिस जारी कर उनसे राष्ट्रीय राजधानी में 2013 में तृणमूल कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ हुई झड़प से जुड़े मामले में अपना बयान दर्ज कराने को कहा है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने स्पष्ट किया कि बनर्जी को यह नोटिस मामले में एक गवाह के रूप में दिया गया है, न कि आरोपी के रूप में। यह मामला अप्रैल 2013 की एक घटना से संबंधित है। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के सदस्यों द्वारा पश्चिम बंगाल के तत्कालीन वित्त मंत्री अमित मित्रा पर कथित हमले के विरोध में बनर्जी ने अपने मंत्रियों और सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ संसद मार्ग पर योजना आयोग (अब नीति आयोग) के पास प्रदर्शन किया था। सुरक्षा चिंताओं और निषेधाज्ञा का हवाला देते हुए दिल्ली पुलिस कर्मियों द्वारा प्रतिनिधिमंडल को आगे बढ़ने से कथित रूप से रोकने की कोशिश के बाद बनर्जी और पुलिस कर्मियों के बीच कहासुनी हो गई थी।

जनगणना 2027-देश को 24.25 लाख हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में बांटा

नई दिल्ली। जनगणना 2027 के लिए भारत ने अब तक का सबसे बड़ा डिजिटल काम पूरा कर लिया है। दरअसल, देश की 24.25 लाख हाउसलिस्टिंग ब्लॉक की मैपिंग स्पेशल सॉफ्टवेयर से कर दी गई है। जनगणना एक साथ पूरे भारत में नहीं होती। इसके लिए पूरे देश को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटा जाता है। एक ब्लॉक 800 लोगों तक की बस्ती होता है। एक जनगणनाकर्मी एक ब्लॉक में गिनती करेगा, यही ब्लॉक ही आगे चलकर जनगणना ब्लॉक बनेंगे, जहां असली गिनती होगी। मतलब पूरे भारत के हर मोहल्ले, हर गांव, हर झुग्गी का डिजिटल पता बन गया। आसान शब्दों में कहें तो हर ब्लॉक में 150-200 घर होंगे। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों को भेजी चिट्ठी में ये जानकारी दी है। देश में जनगणना का दूसरा फेज 25 जनवरी 2027 से शुरू होगा, जो 28 फरवरी तक चलेगा।

सॉफ्टवेयर से हुई डिजिटल मैपिंग

इस काम के लिए जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली एप्लिकेशन का इस्तेमाल किया गया है। यह एक खास सॉफ्टवेयर है। इसे जनगणना की निगरानी लगभग रियल टाइम में करने के लिए तैयार किया गया है। जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि हाउस-लिस्टिंग फेज में बड़े स्तर पर डिजिटल मैपिंग की गई और देशभर का व्यापक जियोस्पेशल फ्रेमवर्क तैयार हुआ है।

झारखंड : वैन को ट्रक ने टक्कर मारी, पांच की मौत, तीन गंभीर

रांची। झारखंड के हजारीबाग जिले में सोमवार को एक ट्रक ने पिकअप वैन को टक्कर मार दी, जिससे कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वैन में एक शव को अंतिम संस्कार के लिए वाराणसी ले जाया जा रहा था और मृतक के परिजन भी उसमें सवार थे। एक अधिकारी ने बताया कि वैन में गिरिडीह के कुल 19 लोग सवार थे। पुलिस के अनुसार, वाहन सुबह करीब 10:30 बजे दनुआ घाटी के पास महानैतांड में कुछ देर के लिए रुका था, तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। चौपारण थाने के प्रभारी पंकज कुमार के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन पलट गयी और उसमें सवार कई लोग सड़क पर जा गिरे।

शव और शोकाकुल परिजनों को वाराणसी ले जा रही थी वैन

ट्रंप ने अपनी हार के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया बोले- अमेरिकी जनता उससे बहुत नाराज

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मिडटर्म चुनाव में पार्टी की हार की वजह इजराइल को बताया है। उन्होंने सीबीएस न्यूज के कार्यक्रम '60 मिनट्स' में कहा कि इजराइल को लेकर अमेरिकी लोगों में बहुत नाराजगी है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी लोग इजराइल को भले ही पसंद नहीं करते, लेकिन हमारी सरकार इजराइल के काफी करीब है। ट्रंप ने हार की और दूसरी भी वजहें गिनाईं। उन्होंने कहा, सबसे पहली बात, मैं चुनाव नहीं लड़ रहा था। इसके अलावा लोगों को रिपब्लिकन पार्टी के कुछ उम्मीदवार भी पसंद नहीं आए। ईरान जंग और पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से भी जनता में नाराजगी थी। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा में सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। इसके बाद अमेरिका में इजराइल को लेकर लोगों की राय बदलने लगी। खासकर डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों में इजराइल के लिए समर्थन घटा है।

ईरान जंग और महंगे पेट्रोल से भी नुकसान हुआ

आईएएस बनने का सपना पूरा पोस्टिंग का इंतजार...958 चयनित अभ्यर्थियों का सेवा आवंटन अटका

कोर्ट में चल रहे ओबीसी क्रीमी लेयर के केस का असर

एजेंसी/नई दिल्ली,

देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा सिविल सेवा परीक्षा पास करने के बाद प्रशासनिक सेवा में प्रवेश का इंतजार कर रहे सैकड़ों युवाओं के सामने एक अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई है। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में अंतिम रूप से सफल घोषित 958 अभ्यर्थियों को परिणाम आने के 8 महीने बाद भी उनकी सेवाओं का आवंटन नहीं हो पाया है। इसके कारण मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में आयोजित होने वाला 101वां फाउंडेशन कोर्स भी निर्धारित समय पर शुरू नहीं हो सका है। इस प्रशासनिक गतिरोध का असर अब आगामी 2026 बैच की प्रशिक्षण व्यवस्था पर भी पड़ने की आशंका है। केंद्र सरकार के सामने एक तरफ पिछले बैच के अभ्यर्थियों का सेवा आवंटन पूरा करने की चुनौती है तो दूसरी तरफ नए बैच के चयन और प्रशिक्षण की समय-सारणी तैयार करने का दबाव भी बढ़ रहा है। इस पूरे विवाद के केंद्र में अन्य पिछड़ा वर्ग के क्रीमी लेयर निर्धारण को लेकर सुप्रीम कोर्ट का 11 मार्च का फैसला है। हालांकि, छह नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की स्पष्टीकरण याचिका पर फैसला सुनाते हुए स्पष्ट कर दिया कि मार्च में निर्धारित कानूनी सिद्धांत सिविल सेवा परीक्षा 2025 के लंबित सेवा आवंटन पर भी लागू होंगे। इसके बावजूद अब निगाहें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग पर हैं कि वह सेवा आवंटन और प्रशिक्षण की प्रक्रिया कितनी तेजी से पूरी करता है। यूपीएससी के परिणाम 6 मार्च को घोषित होने के बावजूद 958 चयनित अभ्यर्थियों को सेवा आवंटन के संबंध में डीओपीटी की ओर से कोई स्पष्ट सूचना नहीं मिली थी। आमतौर पर अगस्त के मध्य या अंतिम सप्ताह में शुरू होने वाला फाउंडेशन कोर्स सितंबर तक भी शुरू नहीं हो पाया था। कई चयनित अभ्यर्थियों ने माना सेवा आवंटन में देरी के कारण उनकी भविष्य की सेवा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

एआई ने बढ़ाई चिंता, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा

दुनिया में बच्चों को डराने-धमकाने के मामले बढ़े

एजेंसी/नई दिल्ली,



यूनेस्को ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से प्रौद्योगिकी जनित हिंसा बढ़ने की चेतावनी देते हुए कहा है कि दुनिया भर में हर तीन में से एक छात्र प्रति महीने धमकी का, जबकि प्रत्येक 10 में से एक छात्र साइबर धौंस का सामना करता है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की नयी नीतिगत रिपोर्ट, 'कनेक्टेड एंड सेफ' से पता चलता है कि अश्लीलता दर्शाने वाले ऐप, आवाज की क्लोनिंग, एआई टूल के जरिये संदेश भेजकर किये जाने वाले उत्पीड़न और यौन शोषण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एआई ऐप अब कई क्षेत्रों में स्कूलों से संबंधित घटनाओं में सामने आ रहे हैं। यूनेस्को के महानिदेशक खालिद अल-एनानी के अनुसार, प्रत्येक महीने हर तीन में से एक विद्यार्थी को धौंस का सामना करना पड़ता है, जबकि हर 10 में से एक विद्यार्थी 'साइबर धमकी' का शिकार होता है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि ऐसे लाखों बच्चे हैं जिनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण खतरे में है। नीतिगत रिपोर्ट के अनुसार, ''ऑनलाइन और प्रौद्योगिकी के जरिए होने वाली हिंसा अब शिक्षा प्रणालियों के लिए कोई मामूली या गौण मुद्दा नहीं रह गई है। यह कई विद्यार्थियों के स्कूली जीवन की वास्तविकता का हिस्सा बन गई है, जिसका सीधा असर उनकी सुरक्षा, कल्याण, भागीदारी और सीखने की प्रक्रिया पर पड़ता है। दुनिया भर में लगभग हर दस में से एक विद्यार्थी ने साइबर धमकी का सामना किया है।

यौन उत्पीड़न में लड़कों और लड़कियों, दोनों को प्रभावित

यूरोप, मध्य एशिया और उत्तरी अमेरिका के 44 देशों में, 2018 से 2022 के बीच लड़कों और लड़कियों, दोनों के बीच इसके मामले 12 प्रतिशत से बढ़कर 15 प्रतिशत हो गए हैं।'' इसमें कहा गया है कि कुछ विद्यार्थी दूसरों की तुलना में अधिक असुरक्षित होते हैं। लड़कियों और दिव्यांग विद्यार्थियों तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति या भौगोलिक कारणों से हाशिए पर धकेल दिये गए लोगों को अलग-अलग तरह के और अक्सर कहीं अधिक गंभीर नुकसान का सामना करना पड़ता है।

सम्पादकीय

वीरों के शौर्य को पीएम का सलाम

दीपावली रोशनी, उल्लास और अपनों के साथ खुशियां बांटने का पर्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार बस्तर के करणपुर स्थित कोबरा ऑपरेशंस बेस में सीआरपीएफ जवानों के साथ दीपावली मनाकर उन वीरों के प्रति सम्मान जताया, जो घर-परिवार से दूर रहकर देश की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते हैं। जवानों को मिठाई खिलाना और उनके बीच समय बिताना उनके कठिन सेवाभाव, साहस और त्याग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। देश की सुरक्षा के लिए अनेक परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है। उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। बस्तर की धरती ने नक्सलवाद के खिलाफ संघर्ष में भारी कीमत चुकाई है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि अकेले छत्तीसगढ़ में 1000 से अधिक सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। वर्ष 2010 में दंतेवाड़ा में नक्सली हमले में सीआरपीएफ के 76 जवान शहीद हुए थे। इसी वर्ष एक अन्य हमले में 44 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी गई थी। ये घटनाएं बताती हैं कि नक्सलवाद केवल सुरक्षा बलों के लिए चुनौती नहीं था, बल्कि आम नागरिकों के जीवन, अधिकारों और विकास के रास्ते में भी बड़ी बाधा था। इन शहीदों को याद करना और उनके परिवारों का सम्मान करना पूरे राष्ट्र का दायित्व है।प्रधानमंत्री ने कहा कि 2026 की दीपावली इसलिए खास है, क्योंकि देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। उन्होंने पिछले एक साल में ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ के किसी जवान के शहीद न होने को सुरक्षा बलों के साहस और सरकार की रणनीति की उपलब्धि बताया। उनके अनुसार, 2004 से 2013 के दौरान हर साल नक्सलियों के मुकाबले अधिक जवान शहीद हुए। नक्सलियों की फंडिंग, हथियारों की आपूर्ति और भर्ती के नेटवर्क पर चोट करने को भी उन्होंने सफलता का आधार बताया।नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में आई गिरावट इस बदलाव को रेखांकित करती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, 2018 में 90 जिले नक्सल प्रभावित थे। यह संख्या 2021 में 70, अप्रैल 2024 में 38 और दिसंबर 2025 में आठ रह गई। मार्च-अप्रैल 2026 में इसे शून्य बताया गया। हालांकि 37 जिलों को 'लीगेसी एंड थ्रस्ट' श्रेणी में रखा गया है, जहां सुरक्षा और विकास के प्रयास जारी रखने होंगे। स्पष्ट है कि उपलब्धि बड़ी है, लेकिन सतर्कता जरूरी है। प्रधानमंत्री ने हथियारबंद नक्सलियों के बाद 'दिमागी नक्सलियों' से लड़ने की बात कही। हिंसा और हथियारों के जरिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है, लेकिन सरकार की आलोचना, वैचारिक असहमति और शांतिपूर्ण विरोध को नक्सलवाद से जोड़ना उचित नहीं होगा। संविधान नागरिकों को सवाल पूछने और अपनी बात रखने का अधिकार देता है। नक्सलवाद के खिलाफ संघर्ष की सफलता तभी स्थायी होगी, जब बस्तर के दूरदराज गांवों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और संचार की सुविधाएं पहुंचे। आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन से जुड़े अधिकारों का सम्मान हो तथा प्रशासन पर उनका भरोसा बढ़े। प्रधानमंत्री का जवानों के साथ दीपावली मनाना सुरक्षा प्रहरियों के त्याग को सम्मान देने का संदेश है। शहीदों के परिवारों की देखभाल और जवानों की बेहतर कार्य-परिस्थितियां भी प्राथमिकता बनें। जवानों के शौर्य को सच्चा सलाम तभी होगा, जब उनके बलिदान से मिली शांति बस्तर के हर नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और विकास का उजाला लेकर आएगी।



ग्रामस्वराज
बलकार सिंह पूनियां

गांवों का विकास तभी संभव है, जब ग्राम पंचायतें केवल सरकारी योजनाओं की क्रियान्वयन एजेंसी बनकर न रहें, बल्कि स्थानीय विकास की दिशा और प्राथमिकताएं तय करने में सक्षम हों। वित्तीय संसाधनों की कमी, प्रशिक्षित कर्मचारियों का अभाव और कमजोर प्रशासनिक व्यवस्था पंचायतों के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। इन्हें दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना को मंजूरी दी है। वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू होने वाली 7,395 .55 करोड़ रुपये की यह योजना देश की 2 .55 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। डिजिटल व्यवस्था, प्रशिक्षण, वित्तीय पारदर्शिता और ग्रामसभा की भागीदारी के जरिए पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना इसका प्रमुख लक्ष्य है।

ग्रामीण सुशासन की नई परिकल्पना

भारत का समग्र विकास गांवों की प्रगति और ग्रामीण समुदाय की भागीदारी के बिना संभव नहीं है। लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को मजबूत बनाने व स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाएं तैयार करने और सरकारी संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने में ग्राम पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है। हालांकि, देश की अनेक पंचायतें आज भी वित्तीय संसाधनों, प्रशिक्षित कर्मचारियों, तकनीकी सुविधाओं और प्रशासनिक क्षमता की कमी से जूझ रही हैं। इन चुनौतियों को दूर कर पंचायतों को सक्षम स्थानीय शासन संस्थाओं के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 28 अक्टूबर 2026 को प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना को मंजूरी दी है। यह पहल ग्राम स्वराज की अवधारणा को व्यावहारिक रूप देने और ग्रामीण सुशासन को नई दिशा देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू होने वाली इस केंद्र प्रायोजित योजना का कुल परिव्यय 7,395.55 रुपये है। इसमें केंद्र सरकार 4,869.48 करोड़ रुपये और राज्य सरकारें 2,526.07 करोड़ रुपये का योगदान देंगी। योजना के अंतर्गत सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 2.55 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों के साथ उन क्षेत्रों की पारंपरिक ग्रामीण स्थानीय शासन संस्थाओं को भी शामिल किया जाएगा, जहां पंचायत व्यवस्था लागू नहीं है। इसका उद्देश्य पंचायतों को केवल सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित न रखकर स्थानीय विकास की प्राथमिकताएं निर्धारित करने और उपलब्ध संसाधनों का समन्वित उपयोग करने में सक्षम बनाना है। योजना का प्रमुख आधार ग्राम पंचायतों को स्थानीय विकास नियोजन का केंद्र बनाना है। पेयजल, स्वच्छता, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और रोजगार जैसी ग्रामीण आवश्यकताओं के समाधान के लिए विभिन्न विभागों की योजनाओं में समन्वय जरूरी है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों के विभागीय नियोजन को साझा डिजिटल मंच से जोड़कर ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीपीडीपी) को अधिक व्यापक और प्रभावी बनाया जाएगा। पंचायतें गांव की प्राथमिकताओं, उपलब्ध संसाधनों और सरकारी योजनाओं के बीच तालमेल स्थापित करेंगी। प्रतिवर्ष 2.55 लाख से अधिक ग्राम पंचायत विकास योजनाएं तैयार करने का लक्ष्य है। ग्रामसभा की भागीदारी से इन योजनाओं में स्थानीय जरूरतों को प्राथमिकता दी जा सकेगी। संबंधित विभाग अपनी योजनाओं का क्रियान्वयन मौजूदा व्यवस्था के अनुसार ही करेंगे। ग्रामीण शासन में पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए डिजिटल व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। वर्ष 2020 में शुरू किया गया ई-ग्राम स्वराज पंचायतों के नियोजन, बजट, लेखांकन, निगरानी, संपत्ति प्रबंधन और ऑनलाइन भुगतान से संबंधित कार्यों का एकीकृत डिजिटल मंच है। राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं को स्थानीय जरूरतों से जोड़ने के लिए सूचना और जनभागीदारी को भी महत्व दिया गया है। जनवरी 2026 में शुरू किया गया कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित व्हाट्सऐप मंच 'पंचम' पंचायत प्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों के बीच दोतरफा संवाद की सुविधा प्रदान करता है। इसके माध्यम से 17 भारतीय भाषाओं में सरकारी योजनाओं, प्रशिक्षण सामग्री, सर्वेक्षण और पंचायत सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा सकती है। ग्रामसभाओं और पंचायत मंचों के माध्यम से भी ग्रामीणों को विकास संबंधी विषयों पर चर्चा और निर्णय प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। डिजिटल माध्यमों का उपयोग प्रत्यक्ष जनसंवाद और ग्रामसभा को मजबूत बनाने के लिए होना चाहिए, न कि उनके विकल्प के रूप में। पंचायतों की प्रशासनिक और तकनीकी क्षमता बढ़ाना योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष है। इसके अंतर्गत लगभग 32 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों, पंचायत कर्मचारियों और संबंधित व्यक्तियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। प्रशिक्षण में विकास योजनाओं का निर्माण, वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल प्रणालियों का उपयोग, विभागीय समन्वय तथा विकास कार्यों के प्राक्कलन जैसे सामान्य और तकनीकी विषय शामिल होंगे। इसके लिए एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण व्यवस्था और राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थानों का सहयोग लिया जाएगा। इससे पंचायत प्रतिनिधियों को स्थानीय समस्याओं के समाधान और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिलेगी।



पंचायतों की वित्तीय आत्मनिर्भरता और जवाबदेही भी ग्रामीण सुशासन के लिए आवश्यक है। वर्तमान में अनेक पंचायतें सरकारी अनुदानों पर निर्भर हैं। इसलिए उन्हें वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि का विवेकपूर्ण उपयोग करने के साथ स्थानीय करों, शुल्कों और सामुदायिक संपत्तियों के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। ऑनलाइन लेखांकन, लेखा-परीक्षण और वित्तीय जानकारी सार्वजनिक करने पर विशेष बल दिया गया है। प्रतिवर्ष 2.55 लाख से अधिक ऑनलाइन लेखा-परीक्षण योजनाओं को सहायता देने का लक्ष्य है। इससे वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही मजबूत हो सकती है। योजना का महत्व सोलहवें वित्त आयोग की सिफारिशों के संदर्भ में भी बढ़ जाता है। वर्ष 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिए ग्रामीण स्थानीय निकायों को लगभग 4.35 लाख करोड़ रुपये के अनुदान की सिफारिश की गई है। इतनी बड़ी वित्तीय सहायता का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब पंचायतों में योजना निर्माण, वित्तीय प्रबंधन और निगरानी की पर्याप्त क्षमता हो। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना इसी संस्थागत क्षमता को मजबूत करने का प्रयास करती है। हालांकि, योजना के क्रियान्वयन में कई चुनौतियां भी हैं। देश की पंचायतों की सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक परिस्थितियां अलग-अलग हैं। अनेक पंचायतों में कर्मचारियों की कमी, कमजोर इंटरनेट सुविधा और डिजिटल जानकारी का अभाव है। इसलिए केवल डिजिटल मंच उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं होगा। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना गांवों को सरकारी योजनाओं के लाभार्थी भर न मानकर अपने विकास की दिशा निर्धारित करने वाली सक्षम इकाइयों के रूप में स्थापित करने का अवसर प्रदान करती है। मजबूत पंचायतें, प्रशिक्षित जनप्रतिनिधि, पारदर्शी वित्तीय व्यवस्था और जागरूक नागरिक ही ग्राम स्वराज की आधारशिला हैं। जब पंचायतें अधिकारों और संसाधनों से सशक्त होंगी तथा ग्रामीण समुदाय विकास प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएगा, तभी ग्राम स्वराज की परिकल्पना सार्थक होगी और विकसित भारत की नींव गांवों से मजबूत होगी।

(लेखक ग्रामीण विकास विभाग हरुवू में सहायक प्रोफेसर है, ये उनके अपने विचार हैं।)

चिंता
ममता प्रजापति



नशे की लत से बर्बाद हो रही युवा पीढ़ी व परिवार

देश की युवा आबादी को नशे का दलदल जिस तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रहा है, वह केवल सामाजिक चिंता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय भविष्य के लिए गंभीर खतरे की घंटी है। जिस उम्र में युवाओं के हाथों में किताबें, हुनर और रोजगार के अवसर होने चाहिए, उस उम्र में अनेक युवा शराब, अफीम, गांजा, हेरोइन, स्मैक, सिंथेटिक ड्रग्स और नशीली दवाओं की गिरफ्त में पहुंच रहे हैं। नशे का स्वरूप भी लगातार बदल रहा है। पारंपरिक मादक पदार्थों के साथ कृत्रिम नशीले पदार्थों और दवाओं का दुरुपयोग बढ़ना चुनौती को और गंभीर बना रहा है। ऐसे में नशे के खिलाफ लड़ाई को केवल सरकारी अभियान और जागरूकता कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। एनडीडीटीसी-एम्स के 2018 के सर्वेक्षण पर आधारित 2019 की रिपोर्ट देश में नशे की भयावह तस्वीर सामने रखती है। इसके अनुसार करीब 16 करोड़ लोग शराब, 3.1 करोड़ कैनाबिस और 2.26 करोड़ ओपिऑइड का सेवन करते थे। ओपिऑइड के हानिकारक इस्तेमाल के कारण लगभग 77 लाख लोगों को उपचार की आवश्यकता थी। 10 से 17 वर्ष के बच्चों और किशोरों में भी नशे की प्रवृत्ति चिंताजनक थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस आयु वर्ग में करीब 40 लाख ओपिऑइड और 30 लाख इनहेलेंट का सेवन कर रहे थे। ये आंकड़े भले ही पुराने हैं, लेकिन समस्या की गंभीरता समझने के लिए पर्याप्त हैं। उस समय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अब कॉलेज और रोजगार की उम्र में पहुंच चुके हैं। सरकार ने अब एनडीडीटीसी-एम्स को दूसरा राष्ट्रीय सर्वेक्षण करने की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके तहत राष्ट्रीय स्तर के साथ राज्यों और जिलों में नशीले पदार्थों के सेवन तथा उनसे पैदा होने वाली समस्याओं का आकलन किया जाएगा। यह जरूरी कदम है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल सर्वेक्षणों से नशे की बदलती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सकता है? नशे के बाजार में नए पदार्थ आ रहे हैं, तस्करी के तरीके बदल रहे हैं और युवाओं तक इनकी पहुंच आसान होती जा रही है। इसलिए आंकड़ों का नियमित संकलन और उनके आधार पर समय रहते कार्रवाई भी जरूरी है।यूरोप का अनुभव इस दिशा में उपयोगी हो सकता है। वहां ईएसपीएडी सर्वेक्षण लगभग तीन दशक से 15-16 वर्ष के विद्यार्थियों में नशे की प्रवृत्ति का हर चार साल में अध्ययन कर रहा है। वर्ष 2024 में 37 देशों के 1,13,882 विद्यार्थी इसमें शामिल हुए। इसकी विशेषता यह है कि केवल नशा करने वाले विद्यार्थियों की संख्या नहीं गिनी जाती, बल्कि नशे की शुरुआत की उम्र, पदार्थों की उपलब्धता और उनके गंभीर परिणामों का भी आकलन किया जाता है। भारत को भी ऐसी निरंतर निगरानी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिससे समस्या विकराल होने से पहले ही उसकी पहचान हो सके। गृह मंत्रालय के आंकड़े भी नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे की ओर संकेत करते हैं। वर्ष 2022 में 218 किलोग्राम कोकीन और 1,224 किलोग्राम एम्फेटामाइन जब्त किया गया था। वर्ष 2024 में यह मात्रा बढ़कर क्रमशः 1,483 किलोग्राम और 8,211 किलोग्राम हो गई। यह बढ़ोतरी तस्करी के नेटवर्क और खतरनाक सिंथेटिक नशीले पदार्थों की चुनौती को रेखांकित करती है। सरकार का नशा मुक्ति अभियान 2020 में 272 संवेदनशील जिलों से शुरू हुआ था और अब लगभग सभी जिलों तक पहुंच चुका है। अगस्त 2026 तक 30.52 करोड़ से अधिक लोगों तक इसकी पहुंच होने का दावा है, जिनमें 11.87 करोड़ से अधिक युवा शामिल हैं। नशे की सबसे बड़ी कीमत परिवार चुकाते हैं। इसकी मार विशेष रूप से मां, पत्नी और परिवार की दूसरी महिलाओं पर पड़ती है। एक मां अपने बच्चे को नशे के कारण बर्बाद होते देखती है, तो पत्नी अपने पति को बचाने के साथ घर-गृहस्थी संभालने के लिए संघर्ष करती है। नशे की लत में घर के गहने, जमीन और संपत्ति तक बिक जाती है। घरेलू कलह, आर्थिक संकट, हिंसा और असुरक्षा परिवार की शांति छीन लेते हैं। इसलिए नशे को केवल व्यक्ति की बुरी आदत मानना समस्या को छोटा करके देखना होगा। नशे के खिलाफ लड़ाई में तस्करों पर कठोर कार्रवाई जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी रोकथाम, समय पर पहचान, सुलभ उपचार और उपचार के बाद पुनर्वास की व्यवस्था है। स्कूलों और कॉलेजों में नियमित जागरूकता तथा परामर्श की व्यवस्था होनी चाहिए। अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और महिलाओं की भागीदारी बढ़ानी होगी। नशा मुक्ति केंद्रों को भी उपचार के बाद युवाओं को शिक्षा और रोजगार से जोड़ने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। सरकार आंकड़े जुटाए, पुलिस तस्करों पर शिकंजा कसे और समाज युवाओं को सहारा दे। नशे के खिलाफ लड़ाई तभी सफल होगी, जब यह सरकारी कार्यक्रम न रहकर जन आंदोलन बने।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कभी भी धैर्य और समर्पण न खोएं



संकलित
दर्शन

जीवन में सफलता केवल बुद्धिमत्ता या योग्यता से नहीं, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता से भी मिलती है। कई बार परिस्थितियां हमारे धैर्य, विवेक और व्यवहार की परीक्षा लेती हैं। ऐसे में जल्दबाजी, अहंकार या भावुकता में लिया गया फैसला नुकसान पहुंचा सकता है। गुरु के पुत्र और शिष्य की कथा सिखाती है कि किसी काम को बार-बार करने की स्थिति में भी धैर्य और समर्पण नहीं खोना चाहिए। गुरु की आज्ञा को बोझ समझने के बजाय सेवा का अवसर मानना ही शिष्य की सबसे बड़ी विशेषता थी। वहीं, सेठ के यहां नौकरी मांगने पहुंचे व्यक्ति का प्रसंग बताता है कि केवल आदेश का पालन करना पर्याप्त नहीं, उसके पीछे की मंशा और परिस्थिति को समझना भी जरूरी है।वास्तविक जीवन में भी हर निर्णय के दूरगामी परिणाम होते हैं। इसलिए किसी भी परिस्थिति में प्रतिक्रिया देने से पहले उसके सभी पहलुओं पर विचार करना चाहिए। दूसरों की गलती पर तुरंत नाराज होने के बजाय सामंजस्य बनाने का प्रयास करना चाहिए। इसका अर्थ अन्याय या गलत व्यवहार को स्वीकार करना नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण तरीके से समस्या का समाधान खोजना है। अपनी गलती स्वीकार करने का साहस और दूसरों की अच्छाइयों को पहचानने का गुण व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाता है।नीति शास्त्र का सार भी यही है कि जीवन में बुद्धि, धैर्य, विनम्रता और दूरदर्शिता का संतुलन बनाए रखें। ज्योतिषीय मार्गदर्शन हो या अनुभव से मिली सीख, अंतिम निर्णय अपनी समझ और विवेक से ही लेना चाहिए।

चार पुरुषार्थों में छिपा सुखी जीवन का रहस्य



संकलित
प्रेरणा

भारतीय दर्शन में जीवन को केवल जन्म लेने, धन कमाने और सांसारिक सुख भोगने तक सीमित नहीं माना गया है। यहां जीवन को एक ऐसी यात्रा बताया गया है, जिसका उद्देश्य स्वयं को समझना और जीवन को सार्थक बनाना है। इसी दृष्टि से भारतीय संस्कृति में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को जीवन के चार प्रमुख पुरुषार्थ माना गया है। ये चारों उद्देश्य मनुष्य को संतुलित, मर्यादित और सार्थक जीवन जीने की राह दिखाते हैं। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ या धार्मिक कर्मकांड नहीं है। सत्य, नैतिकता, न्याय, कर्तव्य और सदाचार का पालन करना ही धर्म का वास्तविक स्वरूप है। धर्म मनुष्य को सही दिशा देता है और उसके आचरण की मर्यादा तय करता है। अर्थ जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए धन और संसाधन अर्जित करने का मार्ग है। इसी तरह काम का संबंध इच्छाओं, प्रेम, सौंदर्य, परिवार और जीवन के आनंद से है। यह मनुष्य की स्वाभाविक भावनात्मक और सामाजिक जरूरतों को महत्व देता है। इन तीनों के बाद मोक्ष जीवन का सर्वोच्च आध्यात्मिक लक्ष्य है। इसका अर्थ अज्ञान, मोह और आसक्ति से मुक्ति पाकर आत्मज्ञान प्राप्त करना है। चारों पुरुषार्थ एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि जीवन के पूरक हैं। इनका संतुलन ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में सफल और संतुष्ट जीवन की ओर ले जाता है।

अंतर्मन



आज की पाती

निष्क्रिय जीवनशैली से बिगड़ती सेहत

स्वस्थ जीवन के लिए केवल अच्छा खान-पान ही पर्याप्त नहीं, बल्कि शारीरिक सक्रियता और मानसिक शांति भी जरूरी है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएं तो बहुत दी हैं, लेकिन शारीरिक मेहनत और सुकून उससे छीन लिया है। घंटों एक जगह बैठकर काम करना, मोबाइल और स्क्रीन पर अधिक समय बिताना, नींद पूरी न होना और लगातार तनाव में रहना अब आम बात हो गई है। इसका असर धीरे-धीरे शरीर पर पड़ता है और मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदय रोग जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ता है। विशेषज्ञ भी नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और तनाव प्रबंधन को स्वस्थ जीवन का आधार मानते हैं। सेहत को बेहतर रखने के लिए रोजाना टहलना, योग करना, प्रकृति के बीच समय बिताना और परिवार के साथ संवाद बनाए रखना जरूरी है। - संजय वर्मा, सोनीपत

ट्रेंड

शुभकामनाएं



भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य, हमारे मार्गदर्शक, भारत रत्न और लाल कृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आने वाले वर्षों के लिए भी आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।
- जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

कट्टरपंथियों की सोच



जिनके लिए शहनाई नहीं बजी, उनसे आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं? बीजेपी और उनके सहयोगी हमेशा 'कला और कलाकारों' के खिलाफ रहते हैं, क्योंकि इन कट्टरपंथियों की सोच बहुत सीमित है।
-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

यादव का निधन दुःखद



पूर्व मंत्री और बहरोड़ के विधायक डॉ. जसवंत यादव के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। वे एक अनुभवी नेता थे, जिनका सार्वजनिक जीवन काफी लंबा रहा। कुछ महीने पहले मेरी डॉ. यादव से मुलाकात भी हुई थी, जब वे चेन्नई में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे।
-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

बस्तर का नया अध्याय



कभी नक्सलवाद का गढ़ माना जाने वाला बस्तर, अब डर और हिंसा के अंधेरे से बाहर निकलकर शांति, विश्वास और विकास का एक नया अध्याय लिख रहा है। यह बदलाव प्रधानमंत्री के नेतृत्व, गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प और हमारे बहादुर सुरक्षा बलों के अदम्य साहस का परिणाम है।
-बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड



करंट अफेयर

इतिहास के काले अध्याय का किया जा रहा महिमामंडन

अमेरिका में गुलामी की व्यवस्था और गृहयुद्ध के इतिहास को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। इसकी वजह मिसिसिपी में बना जेफरसन डेविस का विशाल संग्रहालय है। डेविस अमेरिका के गृहयुद्ध (1861-65) के दौरान गुलामी समर्थक परिसंघ (कॉन्फेडरेसी) के राष्ट्रपति थे। युद्ध में हार के बाद उन पर देशद्रोह का मुकदमा चला, हालांकि 1869 में आरोप हटा दिए गए। बाद में उनका निवास स्थान 'ब्यूवॉयर' स्मारक परिसर में बदल दिया गया, जहां उनका मकबरा, संग्रहालय और पुस्तकालय मौजूद हैं।इस परिसर का संचालन कॉन्फेडरेट समर्थक संगठन करता है। आलोचकों का आरोप है कि यहां गुलामी की क्रूर वास्तविकता को नजरअंदाज कर डेविस और गुलामी समर्थक दक्षिणी राज्यों की छवि महिमामंडित की जाती है। हैरानी की बात है कि इसके निर्माण और पुनर्निर्माण के लिए मिसिसिपी सरकार तथा अमेरिकी संघीय आपदा प्रबंधन एजेंसी से करोड़ों डॉलर की सार्वजनिक सहायता मिली।अमेरिका में 2015 के बाद कई कॉन्फेडरेट स्मारक हटाए गए, लेकिन ब्यूवॉयर अब भी विवाद का विषय है। यह मामला इतिहास को संरक्षित करने और अन्यायपूर्ण व्यवस्था का महिमामंडन करने के बीच की सीमा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इतिहास का सम्मान तभी सार्थक है, जब उसके अंधकारमय अध्यायों को भी ईमानदारी से स्वीकार किया जाए।



ऑफ बीट

बिजली से बैक्टीरिया का सफाया करेगा टूथब्रश

दांतों की सफाई के पारंपरिक तरीके में जल्द क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल सकता है। चीन की पेकिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा टूथब्रश विकसित किया है, जो बिना बैटरी के खुद बिजली पैदा कर मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करने में सक्षम है। इस शोध के निष्कर्ष 4 नवंबर को साइंस एडवांसेज पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं ने इसके ब्रिसल्स विशेष पॉलिमर पॉलीविनाइलिडीन फ्लोराइड से तैयार किए हैं। इस पदार्थ की खासियत है कि दबाव पड़ने या मुड़ने पर यह विद्युत आवेश पैदा करता है। जब व्यक्ति इस टूथब्रश से दांत साफ करता है तो ब्रिसल्स की हलचल से बिजली उत्पन्न होती है। यह विद्युत आवेश लार में सक्रिय ऑक्सीजन के ऐसे रूप बनाता है, जो बैक्टीरिया की कोशिका झिल्ली को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे दांतों पर जमा होने वाली बैक्टीरिया की परत यानी प्लाक को अधिक प्रभावी ढंग से हटाने में मदद मिल सकती है।शोधकर्ताओं के परीक्षण में इस ब्रश से दांतों की सतह को नुकसान नहीं पहुंचा और यह मानव कोशिकाओं के लिए भी विषैला नहीं पाया गया। हालांकि, इसकी दीर्घकालिक सुरक्षा, प्रभावशीलता और लागत को लेकर अभी और परीक्षण जरूरी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सफल होने पर यह सामान्य टूथब्रश की तकनीक में बड़ा बदलाव ला सकता है।



Created by Universal Document Converter

खबर संक्षेप

पटाखों का कचरा उठाने को 600 कर्मी तैनात

चेन्नई। ग्रेटर चेन्नई नगर निगम (जीसीसी) ने दीपावली के दौरान शहर में पटाखों के कचरे को अलग से एकत्र करने और उसका सुरक्षित निपटान करने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं, ताकि त्योहार के दौरान शहर को स्वच्छ और सुरक्षित रखा जा सके। नगर निगम के सूत्रों ने रविवार को बताया कि आयुक्त जी एस समीरन के निर्देश पर ठोस कचरा प्रबंधन विभाग ने शहरभर में विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत सार्वजनिक स्थलों, सड़कों और वर्षा जल निकासी नालों से पटाखों का मलबा हटाया जा रहा है।

गड्ढे में गिरने से पांच साल की बच्ची की मौत

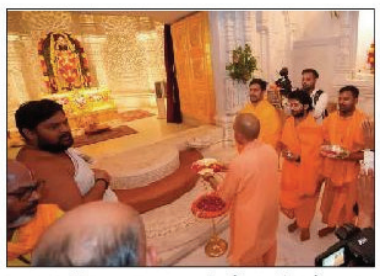
पलक्कड (केरलम)। केरलम के पलक्कड में एक निर्माणाधीन मकान की नींव के लिए खोदे गए पानी से भरे गड्ढे में गिरने से पांच वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गयी। मृतका की पहचान मुंडूर निवासी जगदीश की बेटी अनुश्री के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, घटना शनिवार दोपहर 12 बजे से सवा एक बजे के बीच हुई। उस समय अनुश्री अपने दोस्तों के साथ खेल रही थी। कुछ देर बाद उसके लापता होने का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि घटना के समय बच्ची के माता-पिता किसी रिश्तेदार के घर गए हुए थे। पुलिस के मुताबिक, जब उसकी तलाश की गयी तो वह अपने परिवार के निर्माणाधीन मकान के परिसर में पानी से भरे गड्ढे में डूबी हुई मिली।

केरलम में एमडीएमए जब्त, दो लोग गिरफ्तार

कोच्चि। केरलम के एक लॉज में तलाशी के दौरान 185 ग्राम एमडीएमए समेत कुल 192 ग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किया और दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

अयोध्या में योगी ने हनुमानगढ़ी में की पूजा-अर्चना और रामलला में टेका माथा

एजेंसी ▶▶ अयोध्या



उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में हनुमानगढ़ी और रामलला की पूजा-अर्चना कर लोकमंगल की कामना की अयोध्या (उप्र), आठ नवंबर (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अयोध्या में हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में पूजा-अर्चना कर लोकमंगल की कामना की। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अयोध्या के 10वें दीपोत्सव-2026 के भव्य आयोजन के एक दिन बाद रविवार सुबह गोरक्षपीठाधीश्वर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ शुरुआत की। योगी ने भगवान हनुमान के सामने नमन किया और राज्य के लोगों की खुशी, समृद्धि और कल्याण के लिए प्रार्थना की। वह शनिवार से ही अयोध्या के प्रवास पर हैं। अधिकारियों ने बताया कि हनुमान गढ़ी मंदिर पहुंचने पर संतों और पुजारियों ने जय श्री राम के उद्घोष के साथ उनका स्वागत किया, हनुमानगढ़ी के दर्शन के बाद, आदित्यनाथ श्री राम जन्मभूमि परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने राम लला की पूजा-अर्चना की और उनकी आरती उतारी। उन्होंने मंदिर की परिक्रमा भी की और राम दरबार में प्रार्थना की, जिसमें उन्होंने उत्तर प्रदेश के लोगों की निरंतर प्रगति और कल्याण की कामना की। मंदिर से बाहर आने पर भक्तों ने ₹जय श्री राम₹ के नारों के साथ मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। आदित्यनाथ ने हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

अयोध्या में रामभक्तों पर लाठी-डंडे नहीं चला सकता: योगी

योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि अब अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां नहीं चलेंगी, और अब अयोध्या में 'जय श्रीराम' बोलने पर कोई लाठी-डंडे नहीं चला सकता। अयोध्या में आयोजित दसवें दीपोत्सव के एक दिन बाद मुख्यमंत्री रविवार को यहां रामघाट हाल्ट के निकट निषाद बस्ती में आयोजित दीपावली मिलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने निषाद समाज, नाविकों, माझियों, सफाई कर्मियों और स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पार्षदों एवं कर्मियों को सम्मानित किया।

आडवाणी के 100वें जन्मदिन पर विशेष कार्यक्रम

राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ खड़े होना आडवाणी से सीखे विपक्ष: नितिन

▶▶ नई दिल्ली



भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को कहा कि विपक्षी दलों को पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से सीखना चाहिए कि देश के सामने कोई चुनौती आने पर सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। आडवाणी के 100वें जन्मदिन के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में नवीन ने कहा, "जब भी वह (आडवाणी) संसद में बोलते थे, तो हमेशा कहते थे कि देश की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष में होने के बावजूद भाजपा सरकार के साथ खड़ी रहेगी। नेता प्रतिपक्ष के रूप में भी उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि जब बात देश की हो, तो पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा रहेगा। आज भी लोगों को यह बात सीखने की जरूरत है।" नवीन ने कहा कि आडवाणी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के स्वभाव और व्यक्तित्व में काफी अंतर था, लेकिन एक साझा लक्ष्य के लिए एक दिशा में और एक आवाज के साथ मिलकर काम करने की उनकी क्षमता अद्वितीय थी। भाजपा के हर कार्यकर्ता को उनसे यह सीखना चाहिए।

भाजपा मुख्यालय में पूजा-हवन के साथ मनाया गया जन्मदिन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के जन्मदिन पर रविवार को यहां अपने मुख्यालय में पूजा एवं हवन का आयोजन किया तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई नेताओं ने भारतीय राजनीति में उनके योगदान की सराहना की। आडवाणी का जन्म आठ नवंबर, 1927 को हुआ था। वह रविवार को 99 वर्ष के हो गए और अपने जीवन के 100वें वर्ष में प्रवेश कर गए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आडवाणी के जीवन, राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण, संगठन में उनके योगदान और लंबे सार्वजनिक जीवन को याद करना था। कार्यक्रम में आडवाणी की बेटी प्रतिभा आडवाणी और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन सहित पार्टी के कई नेता शामिल हुए। पूजा और हवन के बाद करीब 20 मिनट का एक वीडियो दिखाया गया, जिसमें आडवाणी के प्रमुख भाषणों और उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को दर्शाया गया। इस दौरान वरिष्ठ नेताओं के संबोधनों के जरिए आडवाणी के योगदान और उनकी राजनीतिक यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ावों को भी याद किया गया।

पश्चिम बंगाल एसआईआर ट्रिब्यूनल से चौथे जज का इस्तीफा

मुर्शिदाबाद के लाखों मतदाताओं की अपील अटकीं, यहां 91 लाख वोटर्स के नाम कटे थे

बसु इस्तीफा देने वाले 19 रिटायर्ड जजों में चौथे हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को बसु ने शुक्रवार को लेटर के जरिए अपने फैसले की जानकारी दी। अब चर्चा का विषय बन गया।

अब एसआईआर ट्रिब्यूनल को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

कोलकाता में रिटायर्ड कलकत्ता हाईकोर्ट जज विश्वजीत बसु ने पश्चिम बंगाल एसआईआर ट्रिब्यूनल से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने निजी कारणों का हवाला दिया है। बसु इस्तीफा देने वाले 19 रिटायर्ड जजों में चौथे हैं। जस्टिस बसु और रिटायर्ड जज इंद्रजीत चटर्जी मुर्शिदाबाद जिले के मामलों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। दोनों के एक महीने के भीतर हटने से वहां मतदाताओं की अपीलों का निपटारा लगभग रुक गया है।

इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस टीएस शिवगणनम, रिटायर्ड जज रंजीत कुमार बाग और इंद्रजीत चटर्जी इस्तीफा दे चुके हैं। सूत्रों के हवाले से बताया कि बसु ने शुक्रवार को लेटर के जरिए कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को अपने फैसले की जानकारी दी।

अब मतदाताओं की अपीलों का निपटारा लगभग रुक गया



पहले जजों ने क्यों छोड़ा..

इंद्रजीत चटर्जी ने पहले रोजाना करीब 22 किमी की यात्रा में दिक्कत का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया था। उन्होंने शुरुआत में ये जिम्मेदारी इसलिए ली थी क्योंकि उन्हें लगा था कि ये 2-3 महीने की अस्थायी जिम्मेदारी होगी। लेकिन लंबित मामलों की भारी संख्या ने आखिरकार उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। बाग और शिवगणनम ने निजी-पारिवारिक कारणों का हवाला देकर ट्रिब्यूनल छोड़ा था।

बसु के इस्तीफे से यह पड़ सकता है असर

चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रिटायर्ड जजों के इस्तीफे से मुर्शिदाबाद में अपीलों के निपटारे पर असर पड़ सकता है। इस जिले से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। बसु के इस्तीफे से एसआईआर ट्रिब्यूनल को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। दोनों जज एक महीने के भीतर पद छोड़ चुके हैं। इससे मतदाताओं की अपीलों का निपटारा लगभग रुक गया है। इससे ट्रिब्यूनल की लंबित मामलों को निपटाने की क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं।"

राजस्थान में एसआईआर के बाद अंतिम वोटर सूची से 30 लाख नाम गायब!

जयपुर (भाषा)। राजस्थान में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए इस्तेमाल की जा रही मतदाता सूचियों में शामिल करीब 30 लाख मतदाताओं के नाम निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में नहीं हैं। एक नागरिक अधिकार कार्यकर्ता ने यह दावा किया है। यह अंतर निर्वाचन आयोग की अंतिम एसआईआर सूची और राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) की शहरी निकाय एवं पंचायत चुनावों के लिए तैयार मतदाता सूचियों के बीच सामने आया है। फरवरी 2026 में प्रकाशित राजस्थान की अंतिम एसआईआर मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 5.47 करोड़ से घटकर 5.15 करोड़ रह गई थी। इस दौरान 44.28 लाख नाम हटाए गए, जबकि 12.91 लाख नए नाम जोड़े गए। इसके विपरीत, राज्य निर्वाचन आयोग की समान 199 विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों में करीब 5.45 करोड़ मतदाता शामिल हैं। इस तरह दोनों सूचियों में करीब 30 लाख मतदाताओं का अंतर है। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राजेश वर्मा ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियां पहले शुरू हो गई थीं और इसके लिए एसआईआर से पहले की मतदाता सूची को आधार बनाया गया था। इस सूची को आखिरी बार एक जनवरी 2025 को अद्यतन किया गया था। उन्होंने कहा कि आयोग परंपरागत रूप से स्थानीय चुनावों के लिए निर्वाचन आयोग की वार्षिक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) के तहत अद्यतन सूचियों का इस्तेमाल करता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने भी कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग ने एसआईआर से पहले की मतदाता सूची का इस्तेमाल किया था।

पालघर में बर्तन धोने को लेकर झगड़े के बाद हत्या

एजेंसी ▶▶ पालघर (महाराष्ट्र)

- पुलिस ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया
- दोनों व्यक्ति पेंटर का काम करते थे

महाराष्ट्र के पालघर जिले में बर्तन धोने और रसोई के काम को लेकर हुए विवाद के बाद एक व्यक्ति ने 28 वर्षीय व्यक्ति की चाकू मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार रात बोइसर इलाके में हुई।

दोनों व्यक्ति पेंटर का काम करते थे और महावीर नगर में किराये के एक कमरे में साथ रहते थे। पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, दोनों के बीच रसोई के काम और बर्तन धोने को लेकर कहासुनी हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। पुलिस ने बताया कि धनंजय साहनी (29) ने कथित तौर पर अपने साथ रहने वाले छोटेलाल सैनी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर सुनकर कुछ पड़ोसी मौके पर पहुंचे। उन्होंने सैनी को अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन चिकित्सा सहायता मिलने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(2) (हत्या से संबंधित) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कानपुर में मकान की छत ढहने से नवजात तीन की मौत, एक गंभीर

कानपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के कानपुर के पनकी पड़ाव इलाके में एक मकान की छत ढहने से रविवार को एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गयी। मरने वालों में 15 दिन का एक नवजात भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि हादसे में परिवार का एक अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) एसएम कासिम आबिदी ने को बताया कि घटना सुबह करीब 8:30 बजे हुई, जब परिवार के सदस्य सो रहे थे। उन्होंने बताया कि अचानक मकान की छत ढह गई और घर में मौजूद लोग मलबे के नीचे दब गए। पुलिस अधिकारी के अनुसार, मदद के लिए लोगों की पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने राज्य आपदा मोचक बल (एसडीआरएफ) को बुलाया। पुलिसकर्मियों और लोगों ने मिलकर बचाव अभियान चलाया और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला।

प्रारूप -(एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना
मैं जमनी (Jamani) सुपुत्री सरजु गांव कोटपाली पोस्ट कोटपाली तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम जमनी बदलकर गांगी (GANGI) रख लिया है
जमनी
हस्ताक्षर (पुराने नाम से)

शुद्धिकरण विवाद : यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

मुख्यमंत्री, मंत्रियों पर 'भ्रष्टाचार' के आरोप लगाए

उत्तराखंड में कांग्रेस चलाएगी अभियान

10 से राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड में कांग्रेस मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के मंत्रियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर 10 नवंबर से राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी। पार्टी की एक प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता प्रतिमा सिंह ने बताया कि यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा और इसके तहत राज्यभर में जिला, ब्लॉक और नगर मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभियान के पहले चरण में 10 से 15 नवंबर तक जिला, ब्लॉक और नगर स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री धामी और कैबिनेट मंत्रियों रेखा आर्य, गणेश जोशी तथा धन सिंह रावत पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। सिंह ने कहा कि इस अभियान के तहत विशेष रूप से तैयार किए गए पर्चों और बैनरों पर लोगों के हस्ताक्षर लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अगले चरण में 23 नवंबर को कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा की मौजूदगी में प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय से राजभवन तक मार्च निकाला जाएगा।

राजनाथ सिंह ने सिक्किम के शेरेथांग में वीर जवानों को दी श्रद्धांजलि

रक्षा मंत्री ने शेरेथांग का दौरा किया

एजेंसी ▶▶ गंगटोक



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को सिक्किम में नाथू ला के पास शेरेथांग का दौरा किया, जहां उन्होंने युद्ध स्मारक पर वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शेरेथांग पहुंचने पर गंगटोक के जिलाधिकारी रोहन अगवाने, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. त्सेरिंग नामग्याल ग्यात्सो और गृह विभाग के संयुक्त सचिव जॉन गुरुंग सहित सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

सिंह ने पूर्वी सिक्किम स्थित शेरेथांग युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन किया और देश की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा में उनके साहस-वीरता को याद किया। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री ने क्षेत्र में तैनात सुरक्षाकर्मियों से बातचीत की और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा के प्रति उनके समर्पण और सेवाभाव की सराहना की। सिंह ने बाबा हरभजन सिंह मंदिर का भी दौरा किया और वहां मत्था टेका। इस मंदिर का सेना के जवानों के बीच विशेष महत्व है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर सख्ती

तस्करी विरोधी अभियान तेज किए जाने के चलते त्रिपुरा में बीएसएफ कर्मियों पर हुआ हमला

सुरक्षा बलों ने कई करोड़ रुपये मूल्य का तस्करी का सामान भी जब्त किया

▶▶ अगरतला

त्रिपुरा के आशाबाड़ी इलाके में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक दल पर हाल में हुए हमले की मुख्य वजह भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करी के खिलाफ सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे अभियान में तेजी लाया जाना है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। सिपाहीजला जिले के पुलिस अधीक्षक विजय देबबर्मा ने बताया कि पुलिस, त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) और बीएसएफ के संयुक्त दलों ने पिछले एक वर्ष में जिले के सोनामुरा उपमंडल में गांजे के कम से कम 1.5 करोड़ पौधे नष्ट किए हैं, जिससे अवैध कारोबार में शामिल लोगों को करीब 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि इस दौरान सुरक्षा बलों ने कई करोड़ रुपये मूल्य का तस्करी का सामान भी जब्त किया है। देबबर्मा ने कहा, "सुरक्षा एजेंसियों ने सीमावर्ती इलाकों में तस्करी के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है, जिससे अवैध कारोबार में शामिल लोग नाराज हैं।" उन्होंने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने दो नवंबर को आशाबाड़ी में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तस्करी की एक कथित कोशिश को नाकाम किया था, जिसके बाद बल की टीम पर हमला किया गया।

21 लोग गिरफ्तार

हमले में संलिप्तता के आरोप में दो मुख्य संदिग्धों सहित 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सिपाहीजला जिले की 99 किमी लंबी सीमा बांग्लादेश से लगती है और इसके लगभग 99 प्रतिशत हिस्से पर बाड़ लगाई जा चुकी है। देबबर्मा ने कहा कि सीमा पर बाड़ होने के बावजूद तस्कर मवेशियों, कपड़ों, दवाओं, आवश्यक वस्तुओं और प्रतिबंधित सामान को सीमा पार पहुंचाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते रहते हैं।

एआई का इस्तेमाल कर बनाया ऑडियो

गिरफ़्तार आरोपी का नाम वैभव मिश्रा

आयुष्मान खुराना को धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



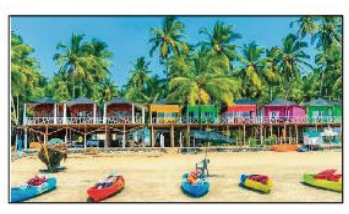
बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना को धमकी देने के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने एआई की मदद से धमकी भरा ऑडियो तैयार किया था। इससे पहले तुषार कपूर को भी धमकी मिलने की खबर सामने आई थी। गिरफ़्तार आरोपी का नाम वैभव मिश्रा है जिसने एआई का इस्तेमाल कर बॉलीवुड के कई कलाकारों की नींद उड़ा दी थी। आयुष्मान साहब, मैं अनिल पंडित बोल रहा हूं। लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई बोल रहा हूं मैं। आपको कॉल किया, आपने फोन उठाया नहीं, फिर काट दिया, ना। कोई बात नहीं, आपको सिर्फ मैसेज देना है, हमारे साथ बात कर लो तो आपसे कोई सेटलमेंट करना है, वह कर लो। तो अगर आपको वह एटीट्यूड दिखाना है, तो फिर टाइगर श्रॉफ वाला सीन देख लो, अब वैसे ही हो सकता है। आपका चंडीगढ़ में कहां घर है, वह भी हमें पता है। आप यहां पे कहां रह रहे हो, वह भी पता है. आपका बाइक का भी नंबर आया है, उसको भी फोन लगाया, उसने भी नहीं उठाया, ठीक है। तो, हमें तो एक बार आपसे बात करनी है, आप बात कर लो, तो आपको ज्यादा परेशान नहीं करने का हमें। तो, अगर आप लाइन पे आ जाओगे, तो हमें कोई दिक्कत नहीं है, हम बात करने के लिए फोन किया आपको। तो मैसेज सुन के ना हमें कॉल बैक कीजिए।

'बीच डॉट कॉम' के वैश्विक सूचकांक में चुना गया

दुनिया के शीर्ष 25 समुद्र तटों की सूची में जगह बनाई

गोवा का पालोलेम समुद्र तट एशिया में सर्वश्रेष्ठ, दुनिया में छठे स्थान पर

▶▶ पणजी



गोवा के दक्षिण गोवा जिले में स्थित पालोलेम समुद्र तट को 'बीच डॉट कॉम' के वैश्विक सूचकांक में एशिया का सर्वश्रेष्ठ समुद्र तट चुना गया है और इसे दुनिया के शीर्ष 25 समुद्र तटों में छठा स्थान मिला है। राज्य के पर्यटन विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि दुनिया के शीर्ष 25 समुद्र तटों की इस सूची में जगह बनाने वाला पालोलेम एशिया का एकमात्र समुद्र तट है। इस उपलब्धि से गोवा के समुद्र तटों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। काणकोण तालुका में स्थित पालोलेम समुद्र तट अर्धचंद्राकार खाड़ी, सफेद रेत, ताड़ के पेड़ों और अपेक्षाकृत शांत समुद्री पानी के लिए जाना जाता है। 'बीच डॉट कॉम' के 'वैश्विक समुद्री तट सूचकांक 2026' में विशेषज्ञों की सिफारिशों, पर्यटकों की समीक्षाओं, समुद्री पानी के रंग और स्वच्छता के संबंध में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' के आंकड़ों तथा 18 निर्धारित मानकों के आधार पर समुद्र तटों का आकलन किया गया। इन मानकों में लोकप्रियता, लोगों की राय, पहुंच की सुविधा और जलवायु जैसे पहलू शामिल थे। पर्यटन विभाग के अनुसार, पालोलेम को समुद्र तट की गुणवत्ता, उपलब्ध सुविधाओं, पानी की गुणवत्ता और पर्यटकों के समग्र अनुभव के आधार पर यह स्थान मिला है। गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन ए. खाउंटे ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली यह पहचान गोवा के समुद्र तटों की प्राकृतिक सुंदरता और उन अनूठे अनुभवों को दर्शाती है, जो दुनियाभर के पर्यटकों को यहां आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के बजाय ऐसे पर्यटन को बढ़ावा देने पर ध्यान दे रही है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'ड्यूनः पार्ट थ्री' को लेकर उत्साह , डेनिस के निर्देशन में तेजी से चल रही है तैयारियां

साइंस-फिक्शन सिनेमा प्रेमियों के लिए एक बेहद रोमांचक खबर सामने आ रही है। लोकप्रिय 'ड्यून' फ्रैंचाइजी के तीसरे हिस्से यानी 'ड्यूनः पार्ट थ्री' पर काम अब बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। फिल्म के निर्देशक डेनिस विलेन्यूव इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट को पर्दे पर उतारने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और इसके प्री-प्रोडक्शन का काम जोरों पर चल रहा है। फ्रैंचाइजी के पिछले भागों की अपार सफलता के बाद से ही दर्शकों को इसके अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर जो विवरण सामने आए हैं, वे फैंस का उत्साह और बढ़ाने के लिए काफी हैं। इस आगामी फिल्म में एक बार फिर मुख्य भूमिकाओं में लोकप्रिय अभिनेता टिमोथी शालामे और जेंडया अपनी शानदार अदाकारी का जादू बिखेरते नजर आएंगे। इसके साथ ही, प्रशंसित अभिनेत्री फ्लोरेंस प्यू भी एक बार फिर महत्वपूर्ण भूमिका में इस ब्रह्मांड का हिस्सा बनेंगी। कलाकारों की यह मजबूत तिकड़ी इस साइंस-फिक्शन महागाथा को एक नए और और भी ज्यादा रोमांचक स्तर पर ले जाने का वादा करती है। कहानी के मोर्चे पर, यह फिल्म फ्रैंचाइजी के मूल उपन्यासों और कथाओं के एक गहरे और जटिल सफर को आगे बढ़ाएगी। निर्देशक डेनिस विलेन्यूव अपनी विजुअल और शानदार कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते हैं, और इस बार भी वह सिनेमाघरों में एक भव्य और अनोखा दृश्य अनुभव देने की तैयारी में हैं। भव्य सेट, अत्याधुनिक वीएफएक्स और कलाकारों के बेहतरीन अभिनय के दम पर 'ड्यूनः पार्ट थ्री' इस दशक की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में अपनी जगह पक्की करती नजर आ रही है।



टॉलीवुड

तमिल डेब्यू के लिए तैयार नस्लेन, सामने आया 'सीन' का खतरनाक डार्क लुक

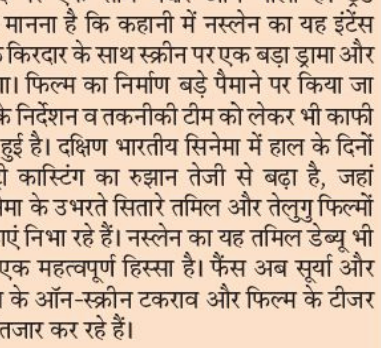
दक्षिण भारतीय सिनेमा जगत से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार सूर्या की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सीन' से युवा और लोकप्रिय मलयालम अभिनेता नस्लेन का पहला लुक आधिकारिक तौर पर जारी कर दिया गया है। फिल्म से सामने आए इस पोस्टर में नस्लेन का एक बेहद अलग, रहस्यमयी और इंटेंस 'डार्क अवतार' देखने को मिल रहा है। इस फिल्म और अपने इस खास किरदार के साथ नस्लेन तमिल फिल्म उद्योग में अपना पहला कदम रखने जा रहे हैं। 'प्रेमलू' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपनी हल्की-फुल्की कॉमेडी और सहज अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाले नस्लेन के लिए यह किरदार पूरी तरह से नया और चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। आमतौर पर रोमैंटिक और कॉमिक रोल्स के लिए पहचाने जाने वाले नस्लेन का यह डार्क और गंभीर लुक फैंस के लिए एक बड़ा सरप्राइज बनकर आया है। पोस्टर जारी होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और सिनेमा प्रेमियों के बीच उनके इस नए अवतार को लेकर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है। फिल्म 'सीन' में सूर्या और नस्लेन की यह अनोखी जोड़ी पहली बार पर्दे पर एक साथ नजर आने वाली है। ट्रेड विश्लेषकों का मानना है कि कहानी में नस्लेन का यह इंटेंस किरदार सूर्या के किरदार के साथ स्क्रीन पर एक बड़ा ड्रामा और थ्रिल पैदा करेगा। फिल्म का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है और इसके निर्देशन व तकनीकी टीम को लेकर भी काफी उत्सुकता बनी हुई है। दक्षिण भारतीय सिनेमा में हाल के दिनों में क्रॉस-इंडस्ट्री कास्टिंग का रुझान तेजी से बढ़ा है, जहां मलयालम सिनेमा के उभरते सितारे तमिल और तेलुगु फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निभा रहे हैं। नस्लेन का यह तमिल डेब्यू भी इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फैंस अब सूर्या और नस्लेन के बीच के ऑन-स्क्रीन टकराव और फिल्म के टीजर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।



भोजपुरी

स्वतंत्रता सेनानी बैकुंठ शुक्ल पर बनेगी भव्य फिल्म, अगले महीने से होगी शूटिंग

स्वतंत्रता सेनानी व अमर शहीद बैकुंठ शुक्ल के जीवन पर आधारित एक भव्य भोजपुरी फिल्म का निर्माण जल्द ही शुरू होने जा रहा है। यह फिल्म प्रसिद्ध साहित्यकार फणीश्वर नाथ घोष वैद्य के लेखन और साहित्य पर आधारित होगी, जो उनके जीवन के अनछुए पहलुओं को बड़े पर्दे पर जीवंत करेगी। इस घोषणा के बाद से न केवल भोजपुरी सिनेमा जगत बल्कि कला और इतिहास प्रेमियों के बीच भी काफी सकारात्मक चर्चा और उत्साह का माहौल है। फिल्म से जुड़े निर्माताओं और निर्देशकों की योजना के अनुसार, इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट की शूटिंग इसी साल नवंबर के महीने से उत्तर बिहार के ऐतिहासिक स्थलों पर शुरू कर दी जाएगी। शूटिंग के लिए मुजफ्फरपुर और पश्चिम चंपारण जैसे प्रमुख और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण जिलों को चुना गया है।





लंदन फैशन वीक फॉल विंटर के खास ट्रेंड्स फैशन प्रेमियों के लिए एक रोमांच का अवसर लाते हैं। यह ट्रेंड्स न्यूयॉर्क से शुरू होकर लंदन और आगे मिलान व पेरिस तक फैल रहा है। लंदन फैशन वीक फॉल विंटर में इस सीज़न में 'रूचिंग' (Ruching) ट्रेंड ने विशेष रूप से ध्यान खींचा है। आसान शब्दों में कहें तो रूचिंग कपड़ों में सिलवटें या गैदर्स डालने की एक बेहतरीन तकनीक है, जो किसी भी आउटफिट में गहराई और खूबसूरत डायमेंशन जोड़ती है। आगामी छुट्टियों या शहर की सैर के लिए रूच्ड ऑफ-शोल्डर टॉप एक बेहतरीन और स्टाइलिश विकल्प साबित हो सकता है।

सौंदर्य बाजार में प्राकृतिक निखार और ग्लास स्किन का क्रेज

आजकल भारतीय फैशन और ब्यूटी इंडस्ट्री में पारंपरिक और भारी मेकअप के बजाय प्राकृतिक निखार को प्राथमिकता दी जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में ब्यूटी ट्रेंड्स में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जहां भारी कवरेज वाले फाउंडेशन और लेयरिंग की जगह त्वचा को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ और चमकदार दिखाने पर जोर दिया जा रहा है। इस बदलाव ने आधुनिक भारतीय महिलाओं की दिनचर्या और सौंदर्य उत्पादों के चयन को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। बाज़ार में अब ऐसे उत्पादों की मांग सबसे अधिक है जो त्वचा को नुकसान पहुँचाए बिना उसे अंदर से पोषित करते हैं और एक सहज चमक प्रदान करते हैं।

इस नए दौर के सबसे लोकप्रिय ट्रेंड्स में ग्लास स्किन, स्किन-फर्स्ट बेस और नेचुरल-ग्लो मेकअप सबसे आगे हैं। ग्लास स्किन का मुख्य उद्देश्य त्वचा को इतना साफ, चिकना और हाइड्रेटेड बनाना है कि वह कांच की तरह चमक उठे। इसके लिए अब भारी-भरकम बेस उत्पादों के बजाय हल्के मॉइश्चराइज़र, फेशियल सीरम और हाइड्रेटिंग टोनर का इस्तेमाल किया जा रहा है। स्किन-फर्स्ट बेस तकनीक का मतलब है कि मेकअप करने से पहले स्किनकेयर पर पूरा ध्यान दिया जाए, ताकि त्वचा की प्राकृतिक बनावट बरकरार रहे और मेकअप केवल उसे निखारने का काम करे, न कि उसे पूरी तरह ढंके।



इस ट्रेंड को अपनाने के लिए बाजार में लिक्विड ब्लश, स्किन टिंट्स, और वॉटर-बेस्ड लिपटिंट्स जैसे नए और आधुनिक उत्पाद बड़ी संख्या में आ चुके हैं। पारंपरिक पाउडर उत्पादों की जगह क्रीम और लिक्विड आधारित उत्पाद अधिक पसंद किए जा रहे हैं क्योंकि वे त्वचा में आसानी से मिल जाते हैं और लंबे समय तक प्राकृतिक चमक बनाए रखते हैं। इसके अलावा, मल्टी-पर्पस पैलेट्स जिनमें कंसीलर, ब्लश और हाइलाइटर एक साथ मिलते हैं, कामकाजी महिलाओं और युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय हो रहे हैं। यह सभी उत्पाद कम समय में एक फ्रेश और ग्लोइंग लुक पाने के लिए बेहद मददगार साबित हो रहे हैं।

कुल मिलाकर, भारतीय सौंदर्य उद्योग का यह नया रुझान इस बात का प्रमाण है कि लोग अब भारी और कृत्रिम लुक के बजाय अपनी त्वचा की सेहत को प्राथमिकता दे रहे हैं।

गुलाबी ठंड में छाए भारतीय युवाओं के ट्रेंडी आउटफिट्स



जल्द शुरू होने जा रहे नवंबर महीने में हल्की-फुल्की ठंड रहेगी। गुलाबी ठंड का एहसास तो होगा ही। ऐसे में भारतीय युवाओं के वार्डरोब में स्टाइल और कम्फर्ट का एक अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। मौसम के इस बदलते मिजाज में न ज्यादा गर्मी होती है और न ही बहुत कड़ाके की सर्दी, इसलिए फैशन प्रेमी ऐसे कपड़ों को तरजीह दे रहे हैं जो दिखने में बेहद कूल हों और दिन भर आरामदायक भी महसूस कराएं। कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स से लेकर वर्किंग प्रोफेशन्स तक, हर कोई इस गुलाबी ठंड में अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से नए-नए विंटर लुक्स अपना रहा है। आइए जानते हैं इस सीजन में भारतीय यूथ के बीच कौन-कौन से आउटफिट्स सबसे ज्यादा ट्रेंड कर रहे हैं।



ओवरसाइज्ड हुडी और डेनिम

कैजुअल स्ट्रीटवैल स्टाइल को पसंद करने वाले युवाओं के लिए ओवरसाइज्ड हुडीज़ और रिलैक्स्ड-फिट डेनिम का कॉम्बिनेशन पहली पसंद बना हुआ है। वाइब्रेंट और पेस्टल शेड्स में आने वाली ये हुडीज़ न केवल बेहद कूल लुक देती हैं, बल्कि दिनभर की भागदौड़ में बेहतरीन आराम भी प्रदान करती हैं। इन्हें वाइड-लेग या स्ट्रेट-फिट जींस और ट्रेंडी स्नीकर्स के साथ पेयर करके युवा एक परफेक्ट 'अनफॉर्मल ऐट-इज़' स्टाइल स्टेटमेंट बना रहे हैं।



लेयर्ड ट्रेंच कोट और ब्लेज़र

स्मार्ट-कैजुअल और सेमी-फॉर्मल मौकों के लिए लेयरिंग का ट्रेंड युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। किसी भी बेसिक सॉलिड टी-शर्ट और क्लासिक जींस के ऊपर लाइटवेट ट्रेंच कोट, ओवरकोट या स्ट्रक्चर्ड कैजुअल ब्लेज़र पहनने से पूरा लुक तुरंत एलीगेंट और क्लासी बन जाता है। ऑफिस मीट, शाम के गेट-टुगेदर या कैफे हैंगआउट्स के लिए यह लेयर्ड स्टाइल युवाओं को एक शार्प और अट्रैक्टिव अपीयरेंस देता है।

हाट स्टाइलिंग के कारण बाल हो गए हैं डैमेज तो ये टिप्स आएंगी आपके काम

हम सभी चाहते हैं कि हमारे बाल लम्बे और घने नजर आए और इसके लिए हम आए दिन कई तरीके के हेयर ट्रीटमेंट भी करवाते हैं। वहीं हम अक्सर बालों को आकर्षक लुक देने के लिए स्टाइलिंग भी करते हैं और इसके लिए कई तरीके के हीट वाले स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल करते हैं।

बालों में किसी भी तरह के हेयर स्टाइलिंग टूल का इस्तेमाल करने से पहले आपको हीट प्रोटेक्टिंग स्प्रे का इस्तेमाल करना चाहिए। यह बालों को हीट स्टाइलिंग टूल के कारण होने वाले डैमेज जैसे बालों का जलना, स्प्लिट एंड्स, हेयर ड्राईनेस जैसी कई डैमेज से बालों की रक्षा करने में सहायता करता है। इसे आप बालों में किसी भी तरह के हीट स्टाइलिंग टूल का इस्तेमाल करने से पहले स्प्रे के जरिये कर सकती हैं।

हेयर स्टाइलिंग के बाद अक्सर बालों के टेक्सचर में कई तरह के बदलाव नजर आने लगते हैं, जो खासकर बालों को डैमेज करने का काम करते हैं। बता दें कि बालों को इन डैमेज से बचाने के लिए आप एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे आप स्कैल्प से लेकर बालों की लेंथ तक में सीधे इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं इसके लिए आप सीधे एलोवेरा के पौधे से पत्तियों को काटकर लगा सकती हैं। बालों को धोने के बाद हमेशा कंडीशनर का इस्तेमाल करें। कंडीशनर आपके बालों को सही मात्रा में मॉइस्चराइज करने के काम करता है। स्कैल्प से लेकर लेंथ तक आप जरूरत अनुसार हेयर सीरम का इस्तेमाल जरूर करें। बालों को धोने से करीब 2 घंटे पहले हेयर ऑयल का इस्तेमाल करें। गीले बालों पर कंघा इस्तेमाल करने से थोड़ा बचाव करें। बालों को सूखाने के लिए हीटिंग टूल या तौलिए से रगड़ने का प्रयास न करें।



एक्ने से लेकर टैनिंग की समस्या से निजात पाने एक्सपर्ट नुस्खे आजमाएं

स्किन को स्पॉटलेस बनाए रखने में काफी मेहनत लगती है। कभी चेहरे पर एक्ने हो जाते हैं या टैनिंग की समस्या के कारण चेहरा भद्दा नजर आता है। त्वचा संबंधी समस्याओं को कम करने के लिए आप घरेलू नुस्खे आजमा सकती हैं। हाल ही में डर्मेटोलॉजिस्ट आंचल पंत ने एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें उन्होंने एक्ने से लेकर ऑयली स्किन के लिए आसान उपाय बताएं हैं। चलिए जानते हैं वह नुस्खे, जो स्किन को हेल्दी बनाने का काम करते हैं।

एक्ने के लिए समस्या से परेशान हैं, तो चेहरे पर शहद का इस्तेमाल किया जा सकता है । शहद में एंटी-बैक्टी और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। एक्ने की वजह से चेहरे के आसपास रेडनेस आने लगती है, शहद के उपयोग से त्वचा लाल नजर नहीं आएगी। चेहरे को अच्छे से साफ कर लें। अब अपनी त्वचा पर शहद की एक पतली लेयर लगाएं। हफ्ते में 2-3 बार एक्ने पर शहद लगाने से यह समस्या कम हो जाएगी। एक्ने पर एप्पल साइडर विनेगर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। यह सिरका स्किन के लिए हार्श होता है। इसके कारण चेहरा जल भी सकता है।



टैनिंग से छुटकारा कैसे पाएं?

धूप के अधिक एक्सपोजर के कारण टैनिंग की समस्या हो जाती है। टैनिंग के कारण चेहरे भद्दा नजर आता है। टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप टमाटर का इस्तेमाल कर सकती हैं। टमाटर में लाइकोपीन पाया जाता है, जिसमें एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। टमाटर में बेटाकेरोटिन, विटामिन सी और ई भी होते हैं। टमाटर को धोकर दो टुकड़ों को में काट लें। अब टमाटर को पूरे चेहरे पर लगाएं।

कार्नर न्यूज

पैरों की बदबू से छुटकारा दिलाने आसान से उपाय अपनाइए

इस मौसम में पैरों की हिफाजत करें खास तरीके से हाईजिन मेंटेन करने के साथ पैडिक्योर भी है जरूरी

सर्दियों में पैरों को ढके रखने से एक प्रमुख समस्या पैदा हो सकती है और वो है बदबूदार पैर। यह समस्या उस बदबू के लिए एक निमंत्रण की तरह है, जिसे छोड़ने में निश्चित रूप से कुछ समय लगता है और यकीन मानिए ये पर्यावरण के लिए भी ठीक नहीं है।

अपने पैरों को सही तरीके से धोएं

आप सोच रहे होंगे कि अपने पैर धोना में ऐसा क्या नया है। ये तो आप रोजाना करते हैं, लेकिन वास्तव में आपकी तकनीक गलत हो सकती है। एक खूशबूदार साबुन आपके लिए उपयोगी साबित नहीं हो सकता है। इसलिए आपको एक मेडिकेटेड साबुन की आवश्यकता होती है। अपने पैर की उंगलियों के बीच में विशेष ध्यान दें, क्योंकि यहां अधिकांश नमी जमा हो जाती है। इसके अलावा पूरे दिन आराम से रहने के लिए अपने पैरों को कुछ फुट स्प्रे पाउडर से स्प्रे करें।

एक तरीका और भी है। आप एक वॉश बेसिन को गर्म पानी से भरें। इसमें शैम्पू की कुछ बूंदें और एक एंटीसेप्टिक घोल को मिलाएं। अब अपने पैरों को पानी में कम से कम 10 मिनट के लिए अच्छे से भिगो दें, ताकि जमा हुई गंदगी नरम हो जाए। आप चाहें तो अपने पैर के नाखूनों को साफ करने के लिए नेल ब्रश या पुराने टूथ ब्रश का इस्तेमाल कर सकते हैं। एड़ियों और पैरों के तलवों के लिए फुट स्क्रबर का इस्तेमाल करें। जोर-जोर से न रगड़ें, क्योंकि इससे आपको चोट लग सकती है।

अगर आपके पैर के नाखून बहुत लंबे हो गए हैं, तो उन्हें काट दें। सर्दियों में अपने पैर के नाखूनों को छोटा रखना सबसे अच्छा होता है, ताकि गंदगी अंदर जमा न हो। इसके बाद अपने पैरों को धीरे से थपथपाकर सुखाएं। अपने पैरों पर मॉइस्चराइजर लगाएं और उनकी मालिश करें। यह ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने का भी काम करेगा।



सिरका से स्नान

कुछ घरेलू उपचार आपके पैरों की बदबू के लिए जबरदस्त साबित हो सकते हैं। ऐसा ही एक उपाय है विनेगर बाथ, जिसमें आपको टब में गर्म पानी भरकर उसमें सिरका को अच्छी तरह मिलाना है। इसमें अपने पैरों को डुबोएं और 30 मिनट तक ऐसे ही रखें। इसमें मौजूद ऐसिडिक कंटेंट बैक्टीरिया को खत्म करता है और बदबू को रोकता है।



अम्बिकापुर में 18 नवंबर को जिला स्तरीय रोजगार मेले का होगा आयोजन

अम्बिकापुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र अम्बिकापुर द्वारा 18 नवंबर 2026 को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला प्रात: 11 बजे से शाम 4 बजे तक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, गंगापुरखुर्द, अम्बिकापुर में आयोजित होगा। उपसंचालक रोजगार ने बताया कि रोजगार मेले में विभिन्न निजी नियोजकों द्वारा तकनीकी एवं गैर तकनीकी श्रेणी के लगभग 237 पदों पर भर्ती के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा। इनमें शिक्षक, इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन, इंश्योरेंस एडवाइजर और बीमा सखी पद शामिल हैं। इस रोजगार मेले में सरगुजा संभाग के सभी शिक्षित युवा शामिल होकर रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। मेले में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों का ई-रोजगार पोर्टल www.erojar.cg.gov.in अथवा छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप पर रोजगार पंजीयन के साथ-साथ रोजगार मेले के लिए ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य है। जिन आवेदकों ने अभी तक रोजगार पोर्टल पर पंजीयन नहीं कराया है, वे पहले अपना पंजीयन करा सकते हैं।

इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार मेले में शामिल होने के लिए शैक्षणिक योग्यता की अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र एवं पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना होगा। निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर अभ्यर्थी साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। रोजगार मेला पूर्णत: नि:शुल्क रहेगा। नियोजन संबंधी शर्तों एवं नियुक्ति की जिम्मेदारी संबंधित नियोजकों की होगी। इस पूरी प्रक्रिया में रोजगार कार्यालय की भूमिका केवल सुविधा प्रदाता के रूप में रहेगी।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों के सम्बंध में कलेक्टर की अध्यक्षता में प्रशिक्षण सम्पन्न

★ जिले के 61 उपार्जन केन्द्रों में 15 नवंबर से होगी समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी ★ 'निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार हो खरीदी, सभी तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली जाएं, धान खरीदी की प्रक्रिया में पारदर्शिता और किसानों की सुविधा का रखें विशेष ध्यान : कलेक्टर ★ कलेक्टर ने बारदाना, तौल, पेयजल, सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश



अम्बिकापुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान उपार्जन की तैयारियां जारी हैं, धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को सुचारू और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां की गई हैं।

इसके सम्बन्ध में मंगलवार को कलेक्टर श्री अजीत वसंत की अध्यक्षता में धान खरीदी एवं उपार्जन की तैयारियों को लेकर कलेक्टरेट सभाकक्ष में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री रोमा श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण में सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, खाद्य निरीक्षक, सहकारी निरीक्षक, कृषि उपज मंडी के अधिकारी तथा धान खरीदी केंद्रों से जुड़े ऑपरेटर एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर शामिल हुए।

इस दौरान कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए पर्याप्त बारदाना, सुचारु तौल व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, छाया तथा अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। शासन द्वारा निर्धारित सभी बुनियादी और मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से पूरी कर ली जाएं।

जिले के 61 केन्द्रों में 15 नवंबर से होगी समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में कुल 62 हजार 471 किसानों का पंजीयन किया गया है, जिनका कुल पंजीकृत रकबा 67 हजार 929.40 हेक्टेयर है। जिले में पूर्व में संचालित 54 धान उपार्जन केंद्रों के अतिरिक्त किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 7 नवीन धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। इसके साथ ही जिले में धान उपार्जन केंद्रों की कुल संख्या बढ़कर 61 हो गई है। इन केंद्रों के माध्यम से पंजीकृत किसानों से धान खरीदी की जाएगी। उन्होंने नवीन केंद्रों में समुचित व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

धान खरीदी की प्रक्रिया में पारदर्शिता और किसानों की सुविधा का रखें विशेष ध्यान

कलेक्टर श्री वसंत ने समिति प्रबंधकों और ऑपरेटरों को निर्देशित किया कि पंजीकृत किसानों की जानकारी, तौल, ऑनलाइन प्रविष्टि सहित सभी कार्य सावधानीपूर्वक और निर्धारित नियमों के अनुरूप ही करें। किसी भी पात्र किसान को केंद्र पर असुविधा नहीं होनी चाहिए। शासन के इस महत्वपूर्ण कार्य में सकारात्मक दृष्टिकोण से शामिल होकर अपने कार्य का गम्भीरता से निर्वहन करें। प्रशिक्षण के दौरान समर्थन मूल्य पर धान खरीदी एवं उपार्जन की प्रक्रिया तथा खरीदी कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप कार्य करने तथा खरीदी व्यवस्था से संबंधित तकनीकी एवं प्रशासनिक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

अधिकारी आपसी समन्वय के साथ गम्भीरता से धान खरीदी कि करें नियमित निगरानी

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों, सहकारिता एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों को समन्वय बनाकर सभी धान खरीदी केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि खरीदी प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक केंद्र की नियमित निगरानी की जाए तथा व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल सुधार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि धान विक्रय के लिए खरीदी केंद्रों में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। किसानों की सुविधा, खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में खरीदी प्रभारी, ऑपरेटर, बारदाना प्रभारी सहित सर्व सम्बन्धितों की बैठक लेने के निर्देश दिए। ताकि खरीदी प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी ढंग से संचालित हो।खरीदी व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और किसानों को असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए संबंधित अधिकारी तैयारियों की नियमित समीक्षा करें।

विधवा बुजुर्ग के घर में सेंध लगाकर 12 हजार की चोरी

रामानुजनगर। छ.ग. फ्रंटलाइन। सूरजपुर जिला के थाना रामानुजनगर क्षेत्र के ग्राम मकरबंधा गुलरिहापारा में 65 वर्षीय विधवा बुजुर्ग फुलेश्वरी बाई के घर में सेंध लगाकर चोरी की वारदात हुई। प्रार्थिया ने बताया कि 7 नवंबर की रात अज्ञात चोर ने दीवार में सेंध लगाकर घर में रखे चावल, दाल, चीनी, गुड़, तेल, मसाला, कीमत करीब 2000 रुपये और नगद 10,000 रुपये चोरी कर लिए। वह परछी में सोई थी, सुबह उठी तो दरवाजा अंदर से बंद था, पीछे जाकर देखी तो दीवार में बड़ा छेद था। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

अंतरराष्ट्रीय मिनी गोल्फ खिलाड़ी प्रेरणा सिंह का लटोरी में भव्य सम्मान

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने शॉल और शील्ड भेंट कर बढ़ाया हौसला



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

जारही। खेल की दुनिया में सूरजपुर जिले का मान बढ़ाने वाली लटोरी क्षेत्र की होनहार अंतरराष्ट्रीय मिनी गोल्फ खिलाड़ी प्रेरणा सिंह को एक बार फिर अपनी शानदार उपलब्धियों के लिए विशेष सम्मान प्राप्त हुआ है। हाल ही में क्षेत्र में आयोजित %दीपावली मिलन समारोह 2026% के दौरान छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रेरणा सिंह को भव्य तरीके से शॉल, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह (शील्ड) प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

यह सम्मान मेरे संघर्ष और समर्पण की बड़ी रसीद है : प्रेरणा सिंह

सम्मान प्राप्त करने के बाद अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी प्रेरणा सिंह ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा- यह पल मेरे लिए बेहद भावुक और गर्व से भरा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करना अपने आप में एक बड़ी जिम्मेदारी है। जब क्षेत्रीय नेतृत्व और सरकार द्वारा इस प्रकार सराहना मिलती है, तो मैदान पर कड़ी मेहनत करने का और अधिक उत्साह मिलता है। मैं इस सम्मान को अपने परिवार, गुरुजनों और लटोरी क्षेत्र के समस्त खेल प्रेमियों को समर्पित करती हूँ।

बेटियां हर क्षेत्र में रोशन कर रही हैं छत्तीसगढ़ का नाम : लक्ष्मी

इस अवसर पर खिलाड़ी की पीठ थपथपाते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा- सूरजपुर जिले और लटोरी की माटी ने ऐसी कई प्रतिभाएं दी हैं जिन्होंने वैश्विक मंच पर अपनी मेहनत का लोहा मनवाया है। प्रेरणा सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मिनी गोल्फ में मुकाम हासिल कर साबित कर दिया है कि लगन और पक्के इरादों से हर मंजिल को पाया जा सकता है। शासन स्तर पर हमारे युवाओं और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

समारोह में लगा गणमान्य लोगों का तांता

इस गरिमामयी आयोजन के दौरान खेल जगत से जुड़े लोगों और स्थानीय नागरिकों में भारी उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर क्षेत्र के कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रेरणा सिंह को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए ढेरों शुभकामनाएं दीं। प्रेरणा की इस उपलब्धि से पूरे लटोरी क्षेत्र और सूरजपुर जिले में जश्न का माहौल है।

सशक्त नारी बन रहीं सामाजिक बदलाव की वाहक

★ ग्रामीणों तक डिजिटल एवं बैंकिंग सेवाएं पहुंचाकर नई पहचान बना रहीं शाहिदा बेगम ★ विष्णु की पाती' पाकर खुश हुई शाहिदा बेगम, परिवार की खुशहाली के लिए भी भेजीं शुभकामनाएं,अटल डिजिटल केंद्र और बीसी सखी के रूप में कार्यों की मुख्यमंत्री ने की सराहना ★ मुख्यमंत्री विष्णु भैया से मिले सम्मान और प्रोत्साहन ने बढ़ाया आत्मविश्वास, शाहिदा ने जताया आभार

अम्बिकापुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सशक्त महिलाएं न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की वाहक भी बन रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अब आजीविका के पारंपरिक साधनों से आगे बढ़कर डिजिटल और बैंकिंग सेवाओं जैसे क्षेत्रों में भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। इससे महिलाओं को नई पहचान मिलने के साथ ही ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी मदद मिल रही है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत बटवाही की सुश्री शाहिदा बेगम भी ऐसी ही सशक्त महिला हैं, जो अटल डिजिटल केंद्र और बीसी सखी के रूप में कार्य करते हुए ग्रामीण क्षेत्र में बदलाव की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की ओर से भेजी गई 'विष्णु की पाती' ने शाहिदा बेगम की खुशियों को और बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री ने पत्र के माध्यम से अटल डिजिटल केंद्र और बीसी सखी के रूप में उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया है। मुख्यमंत्री से मिले इस आत्मीय संदेश को शाहिदा ने अपने लिए गर्व और सम्मान का क्षण बताया है।



सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत बटवाही की रहने वाली सुश्री शाहिदा बेगम अटल डिजिटल केंद्र और बीसी सखी के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सुविधाओं और बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में इस प्रकार की महिला सेवा प्रदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन सेवाओं से ग्रामीण नागरिकों को अपने क्षेत्र में ही आवश्यक कार्यों को पूरा करने की सुविधा मिलती है।

डिजिटल सेवाओं से जुड़कर महिलाएं न केवल स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण समाज में अपनी सक्रिय भूमिका भी स्थापित कर रही हैं। शाहिदा बेगम का प्रयास दर्शाता है कि अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर ग्रामीण महिलाएं तकनीक आधारित कार्यों में भी अपनी पहचान बना सकती हैं।मुख्यमंत्री की ओर से मिले इस स्नेहपूर्ण संदेश से शाहिदा बेगम बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह विशेष सम्मान की बात है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने उनके कार्यों को पहचान दी और परिवार के लिए भी शुभकामनाएं भेजीं। यह प्रोत्साहन उन्हें आगे भी पूरी लगन और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

'विष्णु की पाती' मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए सुश्री शाहिदा बेगम ने कहा, मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया जी ने मेरे अटल डिजिटल केंद्र और बीसी सखी के कार्यों की सराहना करते हुए मुझे 'विष्णु की पाती' के माध्यम से सम्मानित किया है। उन्होंने मेरी माताजी के अच्छे स्वास्थ्य और मेरे बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की भी कामना की है। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी को तहे दिल से बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। सशक्त महिलाओं की भागीदारी से मजबूत हो रहा ग्रामीण समाज महिला सशक्तिकरण का प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न रूपों में दिखाई दे रहा है। महिलाएं आज स्वरोजगार, आजीविका, डिजिटल सेवाओं और बैंकिंग सुविधाओं जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़कर परिवार की आर्थिक मजबूती के साथ समाज के विकास में भी योगदान दे रही हैं। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की ओर से भेजी गई 'विष्णु की पाती' ऐसे ही प्रयासों को सम्मान और प्रोत्साहन देने का माध्यम बन रही है। शाहिदा बेगम जैसी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी यह संदेश देती है कि सशक्त नारी केवल अपने परिवार की प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता भी रखती है।

बिहान योजना से मिला आत्मनिर्भरता का संबल, स्वरोजगार से बनीं लखपति दीदी

★ 15 हजार रुपये के ऋण से शुरू की छोटी दुकान, आज किराना बकरी पालन और सब्जी की खेती से मजबूत हुई आर्थिक स्थिति ★ समूह से मिले ऋण से व्यवसाय का किया विस्तार, बकरी पालन और सब्जी उत्पादन को बनाया आजीविका का जरिया



अम्बिकापुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन शिबहानश् महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आर्थिक सहायता प्राप्त कर विभिन्न आजीविका गतिविधियों का संचालन कर रही हैं। इससे न केवल उनकी आय के साधन बढ़ रहे हैं, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो रहा है। सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मुटकी की श्रीमती विनीता सिंह ने भी बिहान योजना से जुड़कर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया और आज लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं।

शक्ति महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी श्रीमती विनीता सिंह बताती हैं कि पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। आय के पर्याप्त साधन नहीं होने के कारण परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ऐसे समय में बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार शुरू करने का अवसर मिला। समूह के माध्यम से उन्होंने पहली बार 15 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया और गांव में एक छोटी दुकान शुरू की। दुकान संचालन से उन्हें आय का साधन मिला और परिवार की आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आने लगा।

श्रीमती विनीता सिंह ने बताया कि दुकान संचालन से मिले अनुभव और समूह के सहयोग ने उन्हें व्यवसाय का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने समूह से 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस राशि का उपयोग दुकान में सामान बढ़ाने और व्यवसाय को आगे बढ़ाने में किया। साथ ही उन्होंने बकरी पालन का कार्य भी शुरू किया। इससे उनकी आजीविका के साधनों में वृद्धि हुई और परिवार को अतिरिक्त आर्थिक संबल मिला। उन्होंने अपनी मेहनत और समूह से मिले सहयोग के माध्यम से स्वरोजगार गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाया।

विनीता सिंह ने अपनी आर्थिक स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए कृषि गतिविधियों की ओर भी कदम बढ़ाया। उन्होंने बताया कि पानी की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण खेती एवं घरेलू आवश्यकताओं में परेशानी होती थी। इस समस्या को दूर करने के लिए उन्होंने बोर के निर्माण की पहल की। इसके बाद समूह के माध्यम से डेढ़ लाख रुपये का ऋण स्वीकृत करवाकर बोर कराया। पानी की सुविधा उपलब्ध होने से उन्होंने सब्जी-भाजी की खेती शुरू की।

दुकान संचालन और बकरी पालन के साथ सब्जी उत्पादन को भी आजीविका का माध्यम बनाकर विनीता ने आय के विभिन्न स्रोत विकसित किए। इससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली।

बिहान योजना से जुड़ने के बाद विनीता सिंह के जीवन में बदलाव आया है। पहले जहां सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता था, वहीं अब वे स्वयं की आजीविका गतिविधियों का संचालन कर रही हैं। छोटी दुकान से शुरू हुआ उनका स्वरोजगार आज किराना व्यवसाय, बकरी पालन और सब्जी की खेती तक विस्तारित हो चुका है।

विनीता बताती हैं कि समूह से समय-समय पर मिले ऋण और स्वयं की मेहनत से वे अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने में सफल हुई हैं। आज वे लखपति दीदी बन चुकी हैं और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों को निभाने में योगदान दे रही हैं। स्वरोजगार से मिली आर्थिक मजबूती ने उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है। अपनी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्रीमती विनीता सिंह ने कहा, बिहान योजना से जुड़कर मेरे घर-परिवार की स्थिति सुधर गई है। मैंने समूह से ऋण लेकर दुकान खोली, बकरी पालन किया और सब्जी-भाजी की खेती शुरू की। आज मैं लखपति दीदी बन चुकी हूं और अपने पैरों पर खड़ी हूं।

श्रीमती विनीता सिंह ने आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समूहों से मिलने वाली वित्तीय सहायता महिलाओं को छोटे व्यवसाय शुरू करने और उनका विस्तार करने में सहयोग प्रदान कर रही है।

बेजुबान डॉग शेल्टर में धूमधाम से मनाया गया कुकुर तिहार

बेजुबानों की पूजा-अर्चना कर उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की गई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दीपावली के पावन अवसर पर 8 नवंबर को बेजुबान डॉग शेल्टर, अंबिकापुर में कुकुर तिहार का पर्व बड़े ही प्रेम, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य समाज में बेजुबान पशुओं के प्रति प्रेम, सम्मान, संवेदना और सेवा की भावना को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर बेजुबान डॉग शेल्टर में रह रहे सभी डॉग्स की विशेष पूजा-अर्चना एवं हवन का आयोजन किया गया। सभी बेजुबान बच्चों का तिलक लगाकर, फूलों की माला पहनाकर सम्मान किया गया और इनके लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की गई। हवन एवं पूजा के माध्यम से शेल्टर में रह रहे सभी बीमार, घायल एवं अस्वस्थ बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी जीवन की कामना की गई। यह संपूर्ण



आयोजन बेजुबान डॉग शेल्टर की पूरी टीम एवं सभी सदस्यों के सहयोग से संपन्न हुआ। टीम के सदस्यों ने बताया कि हमारे लिए ये बेजुबान जानवर केवल पशु नहीं, बल्कि हमारे परिवार का हिस्सा हैं। इनका दर्द समझना, इनकी देखभाल करना और इन्हें सुरक्षित जीवन देना ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। बेजुबान डॉग शेल्टर के संस्थापक सुधांशु शर्मा ने कहा कि कुकुर तिहार हमें यह याद दिलाता है कि कुत्ते भी हमारे समाज और जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। वे हमारे मित्र हैं, हमारे आसपास रहते हैं और बिना किसी स्वार्थ के इंसानों के प्रति प्रेम और वफादारी रखते हैं। ऐसे में हमारा भी कर्तव्य है कि हम उनके प्रति दया, प्रेम और सम्मान का भाव रखें। उन्होंने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि दीपावली के दौरान या सामान्य दिनों में भी किसी बेजुबान जानवर को परेशान न करें। उन पर पत्थर न फेंकें, उन्हें मारें नहीं और न ही उन्हें डराने का प्रयास करें। पटाखों एवं तेज आवाजों से भी जानवरों को बहुत परेशानी होती है। त्योहार खुशियां बांटने का नाम है, किसी बेजुबान को डराने या तकलीफ पहुंचाने का नहीं।

घायल पशु की मदद के लिए आगे आएं

बेजुबान डॉग शेल्टर की टीम ने आम लोगों से विशेष अपील की है, यदि उन्हें कहीं कोई डॉग या अन्य पशु दुर्घटनाग्रस्त, घायल, बीमार अथवा असहाय अवस्था में दिखाई देता है, तो उसकी अनदेखी न करें। तत्काल बेजुबान डॉग शेल्टर से संपर्क करें, ताकि समय रहते उस बेजुबान को रेस्क्यू कर उचित उपचार एवं देखभाल उपलब्ध कराई जा सके। बेजुबान डॉग शेल्टर पिछले कई वर्षों से घायल, बीमार, दुर्घटनाग्रस्त एवं बेसहारा पशुओं के रेस्क्यू, उपचार, भोजन और देखभाल के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। शेल्टर की पूरी टीम का मानना है कि पशु सेवा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवता और संवेदनशीलता का सबसे सुंदर उदाहरण है। बेजुबान डॉग शेल्टर की पूरी टीम की ओर से सभी नागरिकों को संदेश दिया कि दीपावली की खुशियां जरूर मनाएं, लेकिन किसी बेजुबान की खुशियां और जिंदगी छीनकर नहीं। क्योंकि त्योहार तभी सार्थक है, जब हमारी खुशियों में उन बेजुबानों का भी हिस्सा हो, जो बोलकर अपना दर्द नहीं बता सकते। सेवा ही कर्म है और सेवा ही धर्म है, के ध्येय को सभी अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

अज्ञात वाहनों की चपेट में आने से गई 5 की जान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई, जिससे दीपावली की खुशियां मातम में बदल गई। सभी मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों के सुपुर्द कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक एमसीबी जिला के मनेन्द्रगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम चनवारीडांड निवासी लव कुमार पासवान (18 वर्ष), पिता राजकुमार पासवान,अपने साथी प्रियांशु शर्मा के साथ 7 नवंबर को दोपहर करीब 3 बजे, गांव के सावन कुमार का मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 16 सीटी 3162 मांगकर पटना जिला कोरिया गए थे। बाइक प्रियांशु चला रहा था। पटना से वापस घर आते समय शाम करीब 7.30 बजे नागपुर पुलिस चैकी अंतर्गत उजियारपुर चैक, नागपुर के पास अज्ञात वाहन चालक ने तेज रफ्तार में लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी, जिसमें दोनों को गंभीर चोटें आई थी। प्रियांशु शर्मा की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि लव पासवान को स्थानीय लोगों की मदद से 108 एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, यहां से रेफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान उसकी भी मृत्यु हो गई।

बाइक सवार किशोर की सड़क हादसे में मौत

दूसरे मामले में जशपुर जिला के बगीचा थाना अंतर्गत महादेवडांड पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार किशोर की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक अरमान टोप्पो (17 वर्ष) पिता असविन टोप्पो, ग्राम बुढ़ाडांड, थाना बगीचा क्षेत्र का रहने वाला था। मृतक के मामा अरुण कुमार ने पुलिस को बताया कि उनका भांजा अरमान टोप्पो 7 नवंबर को भुसगुटरी से से अपने दोस्त सुमित कुजूर और हिमांशु कुजूर के साथ मोटरसाइकिल से महादेवडांड बगीचा जाने निकला था। बाइक सुमित चला रहा था। महादेवडांड में पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए इन्हें टक्कर मार दी। हादसे में अरमान को दाहिने पैर के घुटने के नीचे और बाएं हाथ में गंभीर चोट आई थी। उसे 108 वाहन से बगीचा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और फिर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया। इलाज के दौरान 10 नवंबर को अलसुबह 3 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में उसके साथी सुमित और हिमांशु को चोट नहीं आई है।

टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत

स्कूटी सवार मृतक राजकुमार मानिकपुरी (34 वर्ष) निवासी ग्राम मांजा, थाना लखनपुर को रजपुरी मेन रोड में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। घटना 7-8 नवंबर के दरमियानी रात की है। मृतक के पिता पारसनाथ ने पुलिस को बताया कि उनका बड़ा पुत्र राजकुमार अंबिकापुर के दत्ता कॉलोनी में रहने वाले अक्षय जायसवाल के यहां वाहन चालक का काम करता था। 7 नवंबर को शाम 7 बजे वह दत्ता कॉलोनी से स्कूटी में सवार होकर अपने गृहग्राम मांजा आने के लिए निकला था। रात करीब 10.15 बजे उनकी बहू सबीना को फोन पर सूचना दिया कि रजपुरी मुख्य मार्ग में स्कूटी सवार का एक्सीडेंट हो गया है, और वह गंभीर रूप से घायल है। इसकी सूचना वह परिवार के अन्य सदस्यों को दी। स्वजन 8 नवम्बर को तड़के 3 बजे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर पहुंचे लेकिन घायल की इलाज के दौरान देर रात 1.56 बजे मौत हो गई थी।

बाइक की ठोकर से घायल अधेड़ की मौत

लखनपुर थाना क्षेत्र के पुलिस चैकी कुन्नी अंतर्गत ग्राम लोसंगा निवासी मुन्ना राम 52 वर्ष, को 8 नवम्बर की शाम को गांव में ही टहलते समय बाइक क्रमांक सीजी 12 एवी 8487 के चालक ने ठोकर मार दिया। लखनपुर से रिफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 9 नवम्बर को उसकी मौत हो गई।

मणिपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने 21 जुआरियों को पकड़ा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दीपावली त्योहार के अवसर पर थाना मणीपुर पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर जुआ रेड की कार्रवाई करते हुए 21 जुआरियों को पकड़ा है।

पुलिस ने पहली कार्रवाई 8 नवंबर की रात मुखबिर की सूचना पर रामपुर चौक पर की। यहां स्ट्रीट लाइट के नीचे जुआ खेल रहे 4 जुआरियों रमेश कुमार राजवाड़े, गोलू दास, सुनील दास, राहुल राजवाड़े को पकड़ा। कुल 5000 रुपये और 52 ताश पत्ती जब्त की। दूसरी कार्रवाई में गोर्रापारा रामपुर चौक में 4 जुआरी दीपक राजवाड़े, अजय दास, बाबूलाल, अतुल राजवाड़े पकड़े गए। कुल 7000 रुपये जब्त किया। लब्जी चौक में 6 जुआरी समीर यादव, विवेक यादव, गणेश यादव, कृपाशंकर, जितेंद्र राजवाड़े, रवि पैकरा पकड़े गए। कुल 3000 रुपये जब्त किया। हर्राटिकरा अटल चौक में 4 जुआरी कमलेश अगरिया, रमेश पैकरा, परमेश्वर सिंह मरावी, प्रेमलाल रोहिदास को पकड़ा, और 1820 रुपये जब्त किए। सभी के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई करके जमानत पर रिहा किया गया।

प्रधान आरक्षक की इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस लाइन सूरजपुर में पदस्थ प्रधान आरक्षक की इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक परसु राम पैकरा पिता स्व. सुखनन्दन पैकरा 50 वर्ष मूलत: उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़गवां का रहने वाला था। 7 नवम्बर को सांस लेने में दिक्कत और गैस की शिकायत पर सूरजपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक उसे रेफर कर दिए थे। 9 नवम्बर को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में इलाज के बीच वह कहीं चले गया था। इसके बाद पुन: शाम को 4.30 बजे उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, शाम को 6.30 बजे उसकी मौत हो गई थी। इसकी जानकारी मिलने पर मृतक के संबंधी 10 नवम्बर को अस्पताल पहुंचे। इनके द्वारा मौत को लेकर किसी प्रकार का संदेह जाहिर नहीं किया गया है। पुलिस ने संदेह निवारण के लिए मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है, और स्वजन को सुपुर्द कर दिया है।

जहरीले पदार्थ का सेवन किए युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अज्ञात कारणों से जहर सेवन किए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक विजय मांझी पिता रामू मांझी 40 वर्ष सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम कतकालो का रहने वाला था। 9 नवम्बर को वह अज्ञात कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। सीतापुर स्वास्थ्य केन्द्र से रिफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 10 नवम्बर को सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम करके मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

रामलाल लहरे को मिलेगा प्लांट जीनोम सेवियर फार्मर रिकॉग्निशन राष्ट्रीय सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा छत्तीसगढ़ से रामलाल लहरे का प्लांट जीनोम सेवियर फार्मर रिकॉग्निशन नेशनल अवार्ड के लिए चयन किया गया है। यह राष्ट्रीय सम्मान भारत में पौधों की नई किस्मों की खोज करने वाले वैज्ञानिकों (प्रजनकों) और पारंपरिक रूप से बीजों को संरक्षित करने वाले किसानों को प्रदान किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली दुर्लभ और जंगली किस्म की जईया मिर्च का संरक्षण तथा संवर्धन का कार्य करने के लिए यह राष्ट्रीय सम्मान से पीपीवीएफआरए के 22वें फाउंडेशन दिवस के अवसर पर



प्लांट जीनोम सेवियर अवार्ड फंक्शन में 12 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में भारत के प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में दिया जाएगा। रामलाल लहरे को सम्मानित कराने के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के प्लांट ब्रीडिंग एंड जेनेटिक्स डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष और राज्य के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ दीपक शर्मा को फैसिलिटेटर नियुक्त किया गया है, जो उन्हें विमान से सम्मान समारोह में शामिल कराने लेकर जाएंगें।

रामलाल लहरे मूल रूप से बलरामपुर जिले के निवासी हैं। उनकी प्रथिमक और माध्यमिक शिक्षा ग्राम महुली, हाई स्कूल की शिक्षा सुलसुली से हुआ, इसके बाद उनका चयन प्रयास आवासीय विद्यालय गुडियारी रायपुर के द्वितीय बैच के लिए हुआ। आगे उन्होंने शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय रायपुर से बायोटेक्नोलॉजी से बीएससी और एमएससी की पढ़ाई की है। जहां उन्हें गोल्ड मेडल, स्टूडेंट ऑफ द ईयर, मेजर गोरे अवार्ड इत्यादि सम्मान मिल चुका है। रामलाल लहरे ने आईआईटी कानपुर से निधि ईआईआर, आरकेवीवाई रफ्तार आईजीकेवी से अभिनव (बैचलर), मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिस का आसीम का प्रोजेक्ट कार्य करने के साथ साथ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पूसा कृषि मंत्रालय भारत सरकार से नेशनल इनोवेटिव फार्मर अवार्ड 2020 भी मिल चुका है। रामलाल लहरे ने सभी अध्यापकों, प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों, सहयोगियों तथा माता-पिता और घर परिवार सहित सभी शुभचिंतकों का इस उपलब्धि के लिए विशेष आभार जताया है।

कोल्डीहा में आयोजित गोवर्धन पूजा में शामिल हुए युवा आयोग अध्यक्ष

गौ-धन की पूजा करके की प्रदेश वासियों के समृद्धि की कामना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ग्राम कोल्डीहा में आयोजित गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए।



ग्रामवासियों ने अध्यक्ष का पारंपरिक रूप से ढोल-नगाड़ों और फूल-माला के साथ स्वागत किया। इस दौरान पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने गोवर्धन पर्वत की प्रतीकात्मक पूजा कर गौ-माता और कृषि औजारों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। विश्व विजय सिंह तोमर ने स्वयं प्रतीकात्मक गोवर्धन की परिक्रमा करके गायों को तिलक लगाकर माला पहनाई और प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और किसानों की उन्नति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि हमारी कृषि संस्कृति, गौ-सेवा और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत की पूजा कर हमें प्रकृति और गौ-धन के संरक्षण का संदेश दिया था। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार लगातार गौ-संरक्षण और ग्रामीण संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। युवा आयोग के माध्यम से युवाओं को अपनी परंपरा और संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों, बुजुर्गों और युवाओं से मुलाकात करके उनकी समस्याएं सुनीं और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी संस्कृति को सहेजते हुए गांव के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं और युवा साथी उपस्थित रहे। अंत में समस्त ग्रामवासियों को प्रसाद वितरण किया गया।

एसजीजीयू की महिला बास्केटबॉल टीम ईस्ट जोन खेलने त्रिपुरा रवाना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा की महिला बास्केटबॉल टीम ने एक बार फिर जिले का मान बढ़ाया है। टीम ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में भाग लेने त्रिपुरा के लिए रवाना हो गई है।

ईस्ट जोन प्रतियोगिता का आयोजन 11 नवंबर से 15 नवंबर 2026 तक त्रिपुरा विश्वविद्यालय में हो रहा है। विश्वविद्यालय की टीम में सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ की 12 होनहार महिला खिलाड़ियों का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में साक्षी तिर्की, प्रीति मिंज, सुष्मिता चौहान, रिमझिम मिश्रा, संशिता एक्का, हिमांशी सिंह, आकांक्षा किस्पोट्टा, श्रेया दास, रिबिका लकड़ा, प्रिया जायसवाल, कुमकुम पैकरा और सोनाली



तिर्की शामिल हैं।

टीम के साथ के.आर. टेक्निकल कॉलेज के क्रीड़ाधिकारी रजत सिंह को कोच और होली क्रॉस कॉलेज की क्रीड़ाधिकारी राधा खलखो को टीम मैनेजर की जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष एसजीजीयू की महिला टीम ने ईस्ट जोन में शानदार खेल दिखाते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया था और ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी के लिए क्वालीफाई किया था। इस बार भी टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। सभी खिलाड़ी गांधी स्टेडियम अंबिकापुर में नियमित अभ्यास कर रही हैं। इधर समाजसेवी एवं वरिष्ठ खिलाड़ी संजय अग्रवाल सहित सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ के निशांत सिंह गोल्डी, के.पी. सिंह, गौरव सिंह, सौरभ सिन्हा और विश्वविद्यालय परिवार ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

रघुनाथनगर में कटपत्ती जुआ खेलते 14 धराए, 30 हजार जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन रघुनाथनगर। बलरामपुर जिला के थाना रघुनाथनगर पुलिस ने 7 नवंबर की रात दो अलग-अलग जगहों पर कटपत्ती जुआ खेल रहे 14 जुआरियों को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, धान गोदाम रमेशपुर के पास 7 जुआरी भगवान दास जायसवाल, सुमित जायसवाल, गुलाबचंद जायसवाल, देव कुमार जायसवाल, गुलाबचंद जायसवाल, मुकेश जायसवाल, ओम प्रकाश जायसवाल जुआ खेल रहे थे। इनके पास से कुल 15,040 रुपये जब्त किया गया। वहीं स्कूल ग्राउंड रघुनाथनगर के पास 7 जुआरी राजेंद्र जायसवाल, उमाशंकर पंत, भोला प्रसाद, बिजेंद्र जायसवाल, विजय कुमार, उमेश जायसवाल, अंबिका प्रसाद से कुल 15,480 रुपये जब्त किया गया। सभी के विरूद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया।

एनएच-43 पर केमिकल लोड ट्रक में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

छ.ग.फ्रंटलाइन बतौली। थाना क्षेत्र के बेलकोटा में नेशनल हाईवे-43 पर केमिकल लोड ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक सीजी 15 एफजे 4994 में



केमिकल लेकर चालक रेणुकूट से विशाखापट्टनम की ओर जा रहा था। इसी दौरान शॉर्ट-सर्किट की वजह से ट्रक में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही डॉयल 112 की टीम मौके पर पहुंची। आरक्षक जितेंद्र एवं वाहन चालक सिकंदर ने तत्काल मोर्चा संभाला। वहीं बतौली पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया गया, जिसके द्वारा आग बुझाने का प्रयास किया गया। फिलहाल आग लगने से हुए नुकसान और घटना में किसी के हताहत होने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

सैनिक स्कूल में कक्षा छठवीं एवं नौवीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए सैनिक स्कूल अंबिकापुर सहित देशभर के सैनिक स्कूलों एवं नवीन सैनिक स्कूलों में कक्षा छठवीं और नौवीं में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (एआईएसएसईई-2027) का आयोजन 31 जनवरी 2027 को किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 2 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ के सैनिक स्कूल अंबिकापुर के प्राचार्य द्वारा जारी सूचना के अनुसार, रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित सैनिक स्कूल अंबिकापुर में कक्षा छठवीं एवं नौवीं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का चयन अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 3 नवंबर 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। अभ्यर्थी एवं अभिभावक परीक्षा संबंधी किसी भी जानकारी या समस्या के समाधान के लिए एनटीए हेल्पडेस्क के दूरभाष नंबर 011-40759000 अथवा 011-69227700 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ई-मेल के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

स्कार्पियो वाहन का किस्त नहीं चुका पाया युवक, कीटनाशक पीकर दी जान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। रायगढ़ जिले के कापू थाना क्षेत्र के इंचपारा गांव में एक 28 वर्षीय युवक ने कीटनाशक जहर पीकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, रायगढ़ जिला के कापू थाना अंतर्गत ग्राम इंचपारा निवासी मृतक दिलेश्वर यादव पिता देवानन्द यादव, 28 वर्ष, साल 2025 में लोन पर स्कॉर्पियो वाहन लिया था, जिसका किस्त समय पर नहीं चुका पाने के कारण 2026 में फाइनेंस कंपनी ने वाहन जब्त कर लिया। इसी बात से वह काफी तनाव में रहता था और कम बातचीत करता था। मृतक के बड़े भाई रुद्रोधर यादव ने पुलिस को बताया कि 9 नवंबर को वह धरमजयगढ़ रेबीज का टीका लगवाने गया था। दोपहर करीब 2 बजे घर लौटा तो उसकी पुत्री सरस्वती यादव रोते हुए आई और बताई कि चाचा ने जहर पी लिया है। वह तुरंत भाई के घर गया तो वह आंगन में पड़ा था और पास में ही जहर का डिब्बा पड़ा हुआ था। वह ठीक से बात नहीं कर पा रहा था। उसे तत्काल धरमजयगढ़ शासकीय अस्पताल ले गए, जहां वह बेहोश हो गया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर रेफर कर दिया। स्वजन उसे होलीक्रास अस्पताल अंबिकापुर ले गए, जहां 10 नवंबर की रात 1.28 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी पदमा ने बताया कि दिलेश्वर दोपहर करीब 1 बजे खेत में धान कटाई करके घर आया था और घर में धान छिड़काव के लिए रखे कीटनाशक जहर पी लिया। जहर पीते हुए भतीजी सरस्वती ने देखा था। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

बीमार युवक व किशोर की इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बीमारी के चलते एक 40 वर्षीय युवक और 16 वर्षीय किशोर की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने दोनों मामले में मर्ग कायम करके संदेह निवारण के लिए मृतकों के शव का पोस्टमार्टम कराया है। जानकारी के मुताबिक, मृतक दर्शन सिंह पिता स्व. देवप्रताप उम्र 40 वर्ष, ग्राम माहाई, थाना केलहारी, जिला एमसीबी का रहने वाला था। मृतक की बहन सरिता पति विजय सिंह, निवासी ग्राम बिछली ने पुलिस को बताया कि उसके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है, उसका बड़ा भाई दर्शन सिंह अविवाहित था, जो करीब एक सप्ताह पूर्व उसके ससुराल ग्राम बिछली आया था। 5 नवंबर को उल्टी-दस्त की शिकायत पर 108 एंबुलेंस से उसे मनेन्द्रगढ़ अस्पताल ले गए। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया था। 6 नवंबर को उसे एम्बुलेंस से अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 8 नवंबर को सुबह 8.12 बजे उसकी मृत्यु हो गई।

एक अन्य मामले में बीमार 16 वर्षीय किशोर की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक सगलू राम कोरवा पिता लोहर साय कोरवा जशपुर जिला के बगीचा थाना अंतर्गत ग्राम नवापारा पंडरापाट का रहने वाला था। 3 नवंबर तबियत बिगड़ने पर स्वजन उसे स्थानीय अस्पताल ले गए, यहां से रेफर करने पर 108 एंबुलेंस की मदद से मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान 8 नवंबर को सुबह करीब 6 बजे उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया और मामले को जांच के लिए संबंधित थाने को भेज दिया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर